शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 183 | गुवाहाटी | गुरुवार, 1 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाना में पूजा की अनुमित हरगिज स्वीकार्य ... पेज 2
गिरफ्तार हो सकते हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा पेज 3
बिहार में हो रहे विकास-कार्यों को प्रचारित करें : नीतीश पेज 5
खराब फॉर्म से जूझ रहे लाबुशेन को मिला क्लार्क का समर्थन पेज 7

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ढेकुली नीचे सिर झुकाकर ही कुँए से जल निकालती है अर्थात कपटी या पापी व्यक्ति सदैव मधुर वचन बोलकर अपना काम निकालते हैं।

- आचार्य चाणक्य

राममंदिर निर्माण की सदियों पुरानी आकांक्षा अब सच : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नए संसद भवन में दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में राममंदिर निर्माण की सदियों पुरानी आकांक्षा अब सच हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तेज गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य-निर्माण में लगाए। राष्ट्रपति ने बजट सत्र से पहले दोनों सदनों को संबोधित करते हुए कहा कि नए संसद भवन का निर्माण *अमृत काल* की शुरुआत के दौरान किया गया है और इसमें *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* का सार है। नए संसद भवन में नीतियों पर सार्थक संवाद की उम्मीद जताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी सरकार, 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को पूरा करने की गारंटी के साथ आगे बढ़ रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह नया संसद भवन भारत की ध्येय-यात्रा को निरंतर ऊर्जा देता रहेगा, नई और स्वस्थ परंपराएं बनाएगा। वर्ष 2047 को देखने के लिए अनेक साथी तब इस सदन में नहीं होंगे। लेकिन हमारी विरासत ऐसी होनी चाहिए कि तब की पीढ़ी हमें याद करे। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने, तीन तलाक के विरुद्ध कड़ा कानून, पड़ोसी देशों से आए पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने वाला सीएए कानून बनाने और पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन को लागू करने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में पहली बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति भी हुई है। राष्ट्रपति ने इस दौरान भारत की चंद्रमा पर लैंडिंग और एशियाई खेलों में प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बीता वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा है। इस दौरान भारत सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बना। भारत, चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर झंडा फहराने वाला पहला देश बना। ऐतिहासिक जी-20 सम्मेलन की सफलता ने पूरे विश्व में भारत की भूमिका को सशक्त किया। भारत ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से अधिक मेडल जीते। भारत, दुनिया में सबसे तेजी से 5जी रोलआउट करने वाला देश बना। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने राष्ट्र-हित में ऐसे अनेक कार्यों को पूरा होते देखा है जिनका इंतजार देश के लोगों को दशकों से था। राममंदिर के निर्माण की आकांक्षा सदियों से थी। आज यह सच हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि सभ्यताओं के कालखंड में ऐसे पड़ाव आते हैं जो सदियों का भविष्य तय करते हैं। भारत के इतिहास में भी ऐसे अनेक पड़ाव आए हैं। इस वर्ष, 22 जनवरी को भी देश ऐसे ही एक पड़ाव का साक्षी बना है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। यह करोड़ों देशवासियों की इच्छा और आस्था का प्रश्न था, जिसका उत्तर देश ने पूरे सद्भाव के साथ खोजा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जम्मू कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने को लेकर शंकाएं थीं। आज वे इतिहास हो चुकी हैं। उन्होंने तीन दशक बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) पारित होने के -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम बिरुबारी-लालगणेश फ्लाईओवर की आधारशिला रखेंगे आज

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को गुवाहाटी के बिरुबारी-लालगणेश फ्लाईओवर की आधारशिला रखेंगे। यह आधारशिला साइकिल फैक्ट्री चरियाली पर आयोजित होने वाले एक समारोह के दौरान रखी जाएगी, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ राज्य के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल भी मौजूद रहेंगे। 376 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 2.84 किमी लंबा प्रस्तावित फ्लाईओवर साइकिल फैक्ट्री, बर्षापाड़ा और लालगणेश बाजार को कवर करेगा और कनेक्टिविटी को आसान बनाएगा। फ्लाईओवर का शुरुआती बिंदु आर्य नगर फ्लाईओवर के बाद जंक्शन बिंदु (टीबी अस्पताल) से होगा और अंतिम बिंदु लाल गणेश बाजार से आगे होगा।

गडकरी से गुवाहाटी रिंग रोड पर चर्चा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर गुवाहाटी रिंग रोड समेत विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में राज्य के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए इन परियोजनाओं से संबद्ध पहलुओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया के गेटवे के रूप में गुवाहाटी शहर को विकसित करने की उनकी योजना के तहत -शेष पृष्ठ दो पर

बारामूला में सड़क दुर्घटना : सात मरे आठ घायल

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के बुजथलान ततमुल्ला इलाके में बुधवार को एक यात्री बस के गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस आज दोपहर उरी जा रही थी तभी सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने बचाव अभियान चलाया और अब तक सात शव निकाले जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने दी हुड़दंग करने वाले सांसदों को आत्मनिरीक्षण करने की सलाह

नई दिल्ली। 17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में हुड़दंग करने वाले विपक्षी सांसदों पर जमकर बरसे। उन्होंने ऐसे सांसदों को आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में आदतन हुड़दंग करने वाले सांसदों के संसद में योगदान को शायद ही कोई याद करे। उन्होंने अंतिम बजट सत्र को ऐसे सांसदों के सकारात्मक चर्चा में भाग लेकर अपने पुराने कृत्यों की प्रायश्चित करने का अवसर बताया। ध्यान देने की बात है कि पिछले शीतकालीन सत्र के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ईडी की टीम राबड़ी देवी के आवास पर

पटना (हि.स.)। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में राजद सुप्रीमो और तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लंबी पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम बुधवार की दोपहर राबड़ी के दस सर्कुलर रोड आवास पहुंची। राबड़ी आवास पहुंची तीन सदस्यीय ईडी की टीम ने पिछले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव से ईडी कार्यालय में की गयी पूछताछ से संबंधित कागजों की प्रति को रिसीव करवाया। इसके साथ ही ईडी टीम ने राबड़ी देवी, मीसा -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल पर हमले का ड्रामा कर रही है कांग्रेस : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को राहुल गांधी की गाड़ी पर हमले को ड्रामा करार दिया है। मुर्शिदाबाद में एक जनवितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गाड़ी पर उनके राज्य में नहीं, बल्कि बिहार में हमला किया गया। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि जब -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री का गुणगान था राष्ट्रपति का अभिभाषण : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बुधवार को राष्ट्रपति का भाषण केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की प्रशंसा के बारे में था। उन्होंने रोजगार, दलित, वंचित और आदिवासी के हितों के बारे में कोई बात नहीं की। खड़गे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद एक वीडियो संदेश में कहा कि राष्ट्रपति के भाषण में रोजगार के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा गया। उन्होंने सिर्फ मोदी सरकार की तारीफ की है। ये एक प्रोपेगंडा था। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के बाहर आज भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने एक बार भी रोजगार का जिक्र नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड के सीएम ईडी की हिरासत में, दिया इस्तीफा

रांची (हि.स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवास में बुधवार को ईडी ने करीब सात घंटे पूछताछ की। इसके बाद ईडी की हिरासत में हेमंत सोरेन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को इस्तीफा देने गए। उन्होंने राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया। उनकी जगह अब झामुमो के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन नए नेता चुने गए हैं। इस बात की पुष्टि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बन्ना गुप्ता और राज्यसभा सांसद महुआ माजी सहित कई विधायकों ने की है। हेमंत सोरेन से पहले महागठबंधन के विधायक राजभवन पहुंचे थे लेकिन महागठबंधन के पांच मिनट के बाद ही बाहर कर दिया गया। सभी विधायक राजभवन के बाहर हंगामा कर रहे हैं। वे मांग कर रहे हैं कि चंपई सोरेन को बुधवार रात में ही मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी जाए। जमीन फर्जीवाड़ा मामले में इससे पूर्व 20 जनवरी -शेष पृष्ठ दो पर

चंपई सोरेन झारखंड के अगले मुख्यमंत्री

रांची (हि.स.)। चंपई सोरेन राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री आवास में बुधवार की रात हुई महागठबंधन विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद महागठबंधन के सभी विधायक बस से राजभवन के लिए निकले। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के गेट नंबर-दो से दो टूरिस्ट बसें सीएम आवास के अंदर घुसी थीं। उन्हीं बसों में बैठकर विधायक राजभवन के लिए गए हैं। अब सबकी निगाहें राजभवन पर है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में बड़ा सियासी घटनाक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

टीचर ने डांटा तो स्कूल में तलवार लेकर पहुंचा छात्र

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक छात्र को टीचर का डांटना इतना नागवार गुजरा कि वह तलवार लेकर स्कूल पहुंच गया। हैरान कर देने वाला यह मामला लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल का है। छात्र का तलवार लेकर स्कूल पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने स्कूल प्रबंधन की शिकायत पर नाबालिग बच्चे और उसके पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित एक स्कूल में -शेष पृष्ठ दो पर

अंतरिम बजट आज पेश करेंगी केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली (हि.स.)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी और सीतारमण का छठा बजट होगा। आम चुनाव से पहले पेश होने वाले इस बजट को लेकर लोगों को काफी उम्मीदें हैं। इस बार के अंतरिम बजट में कई बड़े ऐलान होने के कयास हैं। वित्त मंत्री ने हाल ही में लोकसभा चुनाव से पेश होने वाले इस अंतरिम बजट में कोई बड़ी घोषणा से इनकार किया था। सीतारमण ने कहा था कि चुनाव से पहले सिर्फ लेखानुदान पेश होगा। संसद में पारित होने के बाद लेखानुदान से सरकार को अप्रैल-जुलाई अवधि के व्यय को पूरा करने के लिए देश की संचित निधि से आनुपातिक आधार पर राशि निकालने की अनुमति होगी। चुनाव के बाद नई सरकार जुलाई में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट लेकर आएगी। वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी, 2024 को छठी बार अपना बजट भाषण पढ़ेंगी। -शेष पृष्ठ दो पर

कटिहार में राहुल की कार का शीशा टूटा

पटना (हि.स.)। राज्य के कटिहार जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गाड़ी का शीशा टूट गया। राहुल की ब्लैक कलर की टोयोटा एसयूवी कार के पीछे का शीशा उस वक्त टूटा गया जब उनकी गाड़ी डीएस कॉलेज के पास से गुजर रही थी। इसकी वजह लोगों की भीड़ बताई जा रही है। हालांकि, यात्रा पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। पार्टी के एक नेता ने कहा कि कटिहार में रात्रि विश्राम के बाद गांधी ने आज सुबह यात्रा शुरू की। गांधी एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी -शेष पृष्ठ दो पर

तोशाखाना केस में इमरान और बुशरा बीबी को 14 साल की सजा

इस्लामाबाद (हि.स.)। मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के लिए साल का पहला महीना भारी पड़ा। साइफर केस में फैसला आने के 24 घंटे बाद आज तोशाखाना मामले में भी उन्हें तगड़ा कानूनी झटका लगा। मुल्क की एक जवाबदेही अदालत ने बुधवार को उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने इमरान और बुशरा पर 78-78 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और बुशरा बीबी पर 10 साल तक के लिए कोई भी सरकारी पद ग्रहण करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे पहले 30 जनवरी को इमरान और उनकी पार्टी के नेता एवं पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ सीमावर्ती इलाके में कर रहा अत्याचार : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर फिर बड़ा आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में आयोजित जनसभा में आरोप लगाया कि सीमावर्ती इलाकों में बीएसएफ निर्दोष लोगों को गोली मार रही है। उनकी हत्या कर रही है। लोगों से कार्ड लेने के नाम पर उनमें हेराफेरी कर रही है और यहां से हटाकर लोगों को डिटेंशन कैंप में भेजने की प्लानिंग कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद सीमावर्ती इलाका है। बीएसएफ -शेष पृष्ठ दो पर

यूएई के हिंदू मंदिर में पहुंचे 42 देशों के राजनयिक

अबु धाबी। संयुक्त अरब अमीरात में हिंदू मंदिर बनाया जा रहा है। इस मंदिर का नाम बीएपीएस मंदिर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को इस मंदिर का उद्घाटन करेंगे। इस बीच मंदिर का दौरा करने के लिए 42 देशों के करीब 60 से ज्यादा राजदूत और राजनयिक मंदिर परिसर में पहुंचे। इस दौरान सभी राजदूतों ने मंदिर के निर्माण की जमकर तारीफ की। इस मंदिर को देखने आए लोगों का दुबई में जोरदार स्वागत किया गया। सभी को माला पहनाकर उनके हाथ में धागा भी बांधा गया। इस दौरान यहां बीएपीएस मंदिर परियोजना के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास भी मौजूद थे। बीएपीएस मंदिर संयुक्त अरब अमीरात में बनने वाला पहला हिंदू मंदिर है।

जिस पर शानदार नक्काशी का काम किया गया है, जो देखने में बेहद खूबसूरत है। स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने सभी राजदूतों को मंदिर के ऐतिहासिक महत्व और निर्माण प्रक्रिया के बारे में बताया। संजय सुधीर भारतीय राजदूत के तौर पर शामिल हुए हैं। उन्होंने सभी मेहमानों के आने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कियह असंभव लग रहा था, लेकिन अब यह सपना वास्तव में हकीकत बनता दिख रहा है। यह कार्यक्रम संयुक्त अरब अमीरात में इंडियन एंबेसी की ओर से आयोजित किया गया था। इस दौरान नेपाल के राजदूत तेज बहादुर छेत्री ने मंदिर की तारीफ करते हुए कहा कि ये मंदिर प्रेरणादायक है जो लोगों को प्रेम, सद्भाव और -शेष पृष्ठ दो पर

मेक्सिको : दो वाहनों में टक्कर, 20 की मौत

मेक्सिको सिटी (हि.स.)। मेक्सिको में सिनालोआ राज्य के राजमार्ग 15डी पर मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे डबल डेकर बस और ट्रैक्टर ट्रेलर की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 16 अन्य घायल हो गए। मेक्सिको न्यूज डेली के अनुसार, यह हादसा राजमार्ग 15डी पर माजातलान और कुलियाकैन के मध्य एलोटा नगर पालिका क्षेत्र के बोस्कोसो के पास हुआ। डबल डेकर बस नॉर्टे डी सिनालोआ कंपनी की है। बस ग्वाडलाजारा के जलिस्को से लॉस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाना में पूजा की अनुमति हरगिज स्वीकार्य नहीं : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की है कि वाराणसी जिला जज ने आज अपनी सर्विस के अंतिम दिन ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाना में एक हिंदू पक्षकार को पूजा की इजाजत दे दी है। अदालत ने अपने फैसले में जिला मजिस्ट्रेट से कहा है कि वह हिंदू पक्षकार और काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के जरिए नामजद किए गए पुजारी के जरिए पूजा राजभोग की व्यवस्था कराएं। जिला जज का यह फैसला मुसलमानों के लिए हरगिज भी काबिले-कबूल नहीं है और वह इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ कासिम रसूल इलियास ने वाराणसी जिला जज के फैसले पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि यह फैसला बेहद गलत और बेबुनियाद दलीलों पर दिया गया है। अदालत ने इसको आधार बनाकर फैसला दिया है कि ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाना में 1993 तक सोमनाथ व्यास का परिवार पूजा करता था और उस वक्त की राज्य सरकार के आदेश पर इसे बंद कर दिया गया था, जबकि यह बेबुनियाद है। 24 जनवरी को जिला इंतजामिया ने तहखाने को अपने कंट्रोल में ले लिया था। अदालत में उस वक्त अपने ऑर्डर में यह भी कहा था कि यथास्थिति बनाई रखी जाएगी। आज इस फैसले को बदलते हुए पूजा की इजाजत दे दी गई है।

निराशाजनक बात यह है कि मुस्लिम पक्षकार को इसमें अपील का मौका भी नहीं दिया गया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को भी ताक पर रख दिया गया है कि पहले यह फैसला किया जाए कि यह केस 1991 के कानून के तहत चल भी सकता है या नहीं? अफसोसनाक बात यह है कि मीडिया इस फैसले को गलत अंदाज में पेश करके आम जनता को गुमराह कर रहा है कि हिंदू पक्षकारों को मस्जिद में पूजा की इजाजत दे दी गई है। हम यह बात स्पष्ट कर देना जरूरी समझते हैं कि इस तहखाना में कभी भी पूजा नहीं होती थी। एक आधारहीन बात को बुनियाद बनाकर जिला जज ने अपनी सर्विस के आखिरी दिन आपत्तिजनक और बेबुनियाद फैसला देते हुए कहा है कि 7 दिनों के अंदर पूजा का प्रबंध कराया जाए। मस्जिद इंतेजामिया कमेटी इस फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चैलेंज कर रही है। उन्होंने कहा कि है निराशाजनक बात है कि निचली अदालत टुकड़ों-टुकड़ों में फैसला करके इस केस को हिंदू पक्षकारों के पक्ष में मजबूत करती जा रही है। पहले पांच हिंदू महिलाओं ने अगस्त 2021 में अदालत में यह आवेदन देकर कहा कि एक हिंदू मंदिर था, जहां पर पूजा होती थी। जिसे औरंगजेब ने गिराकर मस्जिद निर्माण करा दिया था। इसलिए हमें पूजा की अनुमति दी जाए। जब मस्जिद इंतेजामिया ने इसे यह कहकर सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया कि धार्मिक स्थल से संबंधित 1991 के कानून के तहत इस मस्जिद को सुरक्षा हासिल है तो सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को जिला अदालत के हवाले कर दिया और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसला दिया कि इस पर ना तो धार्मिक स्थल से संबंधित 1991 का कानून और ना ही इस पर वक्फ एक्ट लागू होता है। इसके बाद अदालत ने मस्जिद के अंदर सर्वे का आदेश दे दिया, जिसमें सर्वे टीम ने वजूखाने के फव्वारे को शिवलिंग करार देकर वजूखाने के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी। अभी मामला यहां पर थमा नहीं था कि एक और ऑर्डर में मस्जिद के सर्वे का आदेश पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान को दे दिया गया, जिसने अपनी रिपोर्ट में मस्जिद के नीचे एक बड़े मंदिर के आसार बरामद कर लिए और अब एक तीसरे फैसले में मस्जिद के तहखाना में पूजा की इजाजत दी जा रही है। डॉ इलियास ने कहा है कि बाबरी मस्जिद के स्थान पर मंदिर निर्माण कर लेने के बाद ऐसा लगता है कि अब देश के विभिन्न इलाकों के विभिन्न मस्जिदों को टारगेट किया जा रहा है, चाहे वह कितनी ही पुरानी मस्जिद ही क्यों ना हों। दिल्ली में सुनहरी मस्जिद का मामला अभी थमा नहीं था कि कल सुबह महरौली के इलाके में एक पुरानी मस्जिद को बुलडोजर से गिरा दिया गया। उन्होंने सुप्रीम

नेपाल के होम प्रजाति की 25 गायें बरामद, 5 तस्कर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। शिमुलटापू पुलिस को तस्करी के मामले में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नेपाल के होम प्रजाति की 25 गायें बरामद करने के साथ ही 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव उप-मंडल में असम-पश्चिम बंगाल सीमा पर श्रीरामपुर में बीती रात गोसाईगांव उप-मंडल पुलिस अधिकारी हिरेन कुमार डेका और शिमुलटापू पुलिस थाना प्रभारी संजय कुमार राय के नेतृत्व में एक गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी की गयी। अभियान के दौरान नेपाल के होम प्रजाति 25 मवेशियों को 12 पहिया कंटेनर (एनएल-01एबी-1285) से बरामद किया गया। । पुलिस टीम ने मवेशियों को बरामद करने के साथ ही कंटेनर को भी जब्त कर लिया। इस मामले में पांच पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्कर बरपेटा जिले के रहीम खान, नरुल इस्लाम खान, सरिफुल इस्लाम और धुबड़ी जिले के सापटग्राम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत डेरीगेट गांव निवासी सरीफुल इस्लाम और महिदुल इस्लाम के रूप में की गयी है। गिरफ्तार तस्कर ने बताया कि मवेशियों को पश्चिम बंगाल से बरपेटा के बाघबार ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

मणिपुर एवं नगालैंड में बर्मीज सुपारी और लकड़ी जब्त

कोहिमा (हिंस)। असम राइफल्स द्वारा नगालैंड और मणिपुर में बर्मीज सुपारी के खिलाफ जोरदार अभियान शुरू किया गया है। आज दी गई आधिकारिक सूचना के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स ने कोहिमा में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 29 पर तलाशी के दौरान कई सुपारी से लदे ट्रकों को जब्त किया। ट्रकों से कुल 120 टन सुपारी जब्त की गई। असम राइफल्स ने बताया कि जब्त सुपारी का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 14.32 करोड़ रुपए है। ट्रक चालकों को सुपारी की अवैध आपूर्ति के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, असम राइफल्स ने मणिपुर में भी भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी जब्त की है। मणिपुर के कामजोंग जिले के कांगपत इलाके में छापा मारा गया और दो ट्रकों को जब्त किया गया।

पीटीआई की रैली में विस्फोट, चार की मौत

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के सिबी में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की चुनाव रैली के दौरान हुए बम विस्फोट में चार लोग मारे गए जबकि छह घायल हो गए। पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। प्रमुख समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, यह बम विस्फोट मंगलवार को हुआ। सिबी में जिला मुख्यालय अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बाबर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की। यह घटना आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से ठीक नौ दिन पहले हुई। सिबी के एसएचओ जकाउल्लाह गुज्जर के अनुसार, घायलों को सिविल अस्पताल ले जाया गया। अधिकतर की हालत गंभीर है। इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पीटीआई ने कहा है कि बम विस्फोट पार्टी समर्थित उम्मीदवार सद्दाम तरीन की चुनावी रैली में हुआ। तरीन एनए-253 (जियारत) निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार हैं। मृतकों में तीन कार्यकर्ता शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा करने वाला अधिकारी निलंबित

लखनऊ (हिंस)। जनपद बलिया में 25 जनवरी को हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अपात्रों को लाभ दिए जाने के मामले को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने गंभीरता से लिया है। समाज कल्याण निदेशक ने जांच के बाद आरोपी सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) सुनील कुमार यादव को बुधवार को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही आरोपी अधिकारी सहित सभी आठ अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आरोपी सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) सुनील कुमार यादव ने ग्राम पंचायत मानिकपुर से आर्चना, रंजना, सुमन को शामिल करवाया। इसी तरह ग्राम पंचायत सुल्तानपुर से प्रियंका, सोनम, पूजा, सन्जू और रमिता का भी विवाह 25 जनवरी को संपन्न हुआ। इन सभी का सत्यापन आरोपी अधिकारी सुनील कुमार द्वारा किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि संजू का विवाह तीन वर्ष पहले जबकि पूजा का विवाह एक वर्ष पूर्व हो चूका है। इसके अतिरिक्त अर्चना, रंजना, सुमन, रमिता और प्रियंका का विवाह वर्ष 2023 में हो चुका है।

भाजपा के लिए लायबिलिटी बने मुख्यमंत्री शर्मा : भूपेन बोरा

जोरहाट (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा भाजपा के लिए लायबिलिटी बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के अनेक आरोपों से घिरे हिमंत विश्व शर्मा की सच्चाई जब राहुल गांधी ने खोल दी, तो हिमंत बौखला गए और कांग्रेस पर हमले करवाने लगे। भूपेन कुमार बोरा आज जोरहाट सदर थाने में पुलिस के सामने पेश होने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने पुलिस के सामने आज दिए गए अपने बयान के संदर्भ में बताते हुए कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब जोरहाट शहर में पहुंची तो एक भी पुलिस का आदमी सड़कों पर खड़ा नहीं था। कोई पुलिसकर्मी यह बताने वाला नहीं था कि किस सड़क से जाना है और किधर से नहीं। इसके जवाब में पुलिस की ओर से कहा गया कि पुलिस वाले सिविल ड्रेस में खड़े थे। भूपेन बोरा ने कहा कि उन्हें इस तरह की जानकारी नहीं दी गई थी कि पुलिस वाले सिविल ड्रेस में खड़े रहेंगे, जो रास्ता बताएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके ऊपर जिस व्यक्ति ने हमला करके उन्हें घायल कर दिया उसके खिलाफ अबतक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और उल्टे कांग्रेस नेताओं को परेशान कर रही है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में जोरहाट शहर में निर्धारित मार्ग को बदलने के आरोप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा, उपाध्यक्ष राणा गोस्वामी समेत चार लोगों पर मुकदमे दर्ज किए गए थे। इन लोगों पर गैर जमानती धाराएं भी लगाई गई हैं। थाना में पेश होने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए कहा था कि उन्हें यदि गिरफ्तार कर जोरहाट जेल भी भेजा गया तो इससे वह डरने वाले नहीं हैं, क्योंकि जोरहाट जेल में कुशल कोंवर जैसे स्वनामधन्य व्यक्ति रह चुके हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राणा गोस्वामी अस्वस्थ होने की वजह से आज पुलिस के सामने पेश नहीं हो सके।

पृष्ठ एक का शेष

राममंदिर निर्माण की ...

लिए संसद सदस्यों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि इससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित हुई है। यह वीमेन लेड डवलपमेंट के सरकार के संकल्प को मजबूत करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार का मानना है कि विकसित भारत की भव्य इमारत चार मजबूत स्तंभों -युवा शक्ति, महिला शक्ति, किसान और गरीब-पर खड़ी होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे थे। अब हम जीवन में पहली बार बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुसार, मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में करीब 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह प्रत्येक गरीब में नया विश्वास जगाने वाली बात है। जब 25 करोड़ लोगों की गरीबी दूर हो सकती है तो उसकी भी गरीबी दूर हो सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि संक्रमण काल में एक मजबूत सरकार होने का क्या मतलब होता है, ये हमने देखा है। बीते 3 वर्षों से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दरारें पड़ गई हैं। इस कठिन दौर में, मेरी सरकार ने भारत को विश्व-मित्र के रूप में स्थापित किया है। विश्व-मित्र की भूमिका के कारण ही आज हम ग्लोबल साउथ की आवाज बन पाए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार, भारत की युवाशक्ति की शिक्षा और कौशल विकास के लिए निरंतर नए कदम उठा रही है। इसके लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई गई और उसे तेजी से लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर बल दिया गया है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून जैसे विषयों की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में प्रारंभ कर दी गई है।

गडकरी से गुवाहाटी ...

गुवाहाटी रिंग रोड का अपना एक विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष के अंत तक इस परियोजना को मूर्त रूप देने की उनकी इच्छा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री को इन सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करवाने में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बारामूला में सड़क ...

की आशंका है। घटनास्थल के दृश्यों से पता चलता है कि बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई थी और दुखी परिवारों के शोर-शराबे के बीच लोग पीड़ितों की मदद के लिए दौड़ रहे थे। घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और उनका इलाज चल रहा है।

पीएम ने दी हुड़दंग ...

हंगामा करने वाले 146 सांसदों को निलंबित कर दिया था, लेकिन बजट सत्र के पहले उनके निलंबन को वापस ले लिया गया। बजट सत्र से पहले संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संसद में विपक्ष की ओर से तीखी आलोचना स्वाभाविक है और इसका सभी स्वागत करते हैं। विपक्ष के सांसदों की ओर की गई ऐसी विचारपूर्ण आलोचना को भी आने वाले समय में भी याद किया जाएगा। लेकिन जिन सांसदों ने पिछले 10 सालों के दौरान सिर्फ हंगामा और हुड़दंग किया, उनकी चर्चा भी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे सांसदों के संसद में काम के बारे में उनके क्षेत्र की जनता भी नहीं जानती है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी सांसदों के लिए संसद के इस अंतिम सत्र को एक नया अवसर बताया, जिसके दौरान वे अपनी पुरानी गलतियों की प्रायश्चित भी कर सकते हैं और सकारात्मक बहस में हिस्सा लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मजबूत भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट सत्र को नारी शक्ति की दृष्टि से भी अहम करार दिया। उन्होंने कहा कि संसद के नए भवन में हुई पहली बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास कर महिला सशक्तिकरण की नई गाथा लिखी गई है। अब बजट सत्र के पहले दिन महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दोनों सदनों के संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और अगले दिन यानी गुरूवार को एक महिला वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी।

प्रधानमंत्री का गुणगान...

किया। राष्ट्रपति ने भी अपने एक घंटे 20 मिनट के भाषण में रोजगार का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि जो सरकारी पद खाली हैं, उन पर नियुक्तियां कब की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि आज बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों से अवगत कराया।

झारखंड के सीएम...

को मुख्यमंत्री से ईडी ने करीब सात घंटे पूछताछ की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी की तरफ से आठवीं बार समन जारी किया गया था। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें समय और तारीख दोनों बताने का ऑफर दिया था, ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। मुख्यमंत्री ने आठवां समन भेजे जाने के बाद पूछताछ के लिए सहमति दी थी। इसके बाद ईडी ने जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए एक बार फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिख कर 27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए तिथि, समय और स्थान बताने को कहा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 31 जनवरी को पूछताछ के लिए सहमति दी थी। ईडी ने 29 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की थी। करीब 13 घंटे चली इस छापेमारी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास से बीएमडब्ल्यू कार और 35 लाख रुपए नकद सहित दस्तावेज बरामद किया था। ईडी की टीम जमीन घोटाले में हुई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन के बंगले पर पहुंची थी। हालांकि मुख्यमंत्री नहीं मिले। अवैध तरीके से जमीन खरीद-फरोख्त के मामले में झारखंड, बंगाल व बिहार के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल 2023 को ईडी ने छापेमारी की थी। दूसरे दिन जारी इस छापेमारी में हिरासत में लिए गए सात आरोपितों बड़गाईं अंचल का अंचलाधिकारी भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी कागजात तैयार करने वाले अफसर अली, सद्दाम, इम्तियाज अहमद, तल्हा खान, प्रदीप बागची व फैयाज खान को ईडी ने गिरफ्तार किया था। छापेमारी के दौरान सेना के कब्जे वाली जमीन के मूल कागजात को भी ईडी ने जब्त कर पुराने व नए कागजात की फॉरेंसिक जांच करायी तो पता चला कि जमीन के कागजात में हेराफेरी कर रैयत के नाम में भी फेरबदल किया गया है। बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के आवास और मोबाइल फोन से बरामद दस्तावेज बरामद हुए थे। इन दस्तावेज की छानबीन और उनसे जुड़े तथ्यों के सत्यापन को लेकर ईडी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ कर रही है। जमीन घोटाले के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी अब तक 236 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को कुर्क कर चुकी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद की परिस्थितियों को देखते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था न बिगड़े इसको लेकर वित्त विभाग के सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए पूरे राज्य में सुरक्षा के लिए 7,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री आवास, राजभवन और ईडी कार्यालय के 100 मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दिया गया है।

चंपई सोरेन झारखंड ...

देखने को मिल रहा है। घोटाला मामले में जांच के दायरे में आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इस बीच उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के विधायकों ने चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुन लिया है। झारखंड टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन अब राज्य के अगले मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

टीचर ने डांटा तो ...

एक 15 साल के छात्र का स्कूल के ही छात्रों से छोटी सी बात को लेकर विवाद हो गया। जब टीचरों ने छात्र को समझाइश दी, तो उसे गुस्सा आ गया। बच्चे ने स्कूल में कुर्सी टेबल तोड़ी दी। इसके बाद भी जब उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ तो वह तलवार लेकर स्कूल पहुंच गया और धमकाने लगा। पुलिस ने मामले में 15 साल के छात्र के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले में बच्चे के पिता को भी आरोपी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि छात्र के पिता मिस्त्री का काम करते हैं। थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि आरोपी यहां मौजूद स्टाफ और पढ़ने वाली लड़कियों को भी गंदे कमेंट करता है। स्कूल में किसी तरह का विवाद होने पर उसे बाहर देख लेने की धमकी देता है। उसी के बाद तलवार लेकर उसे धमकाने के लिए पहुंचा था।

अंतरिम बजट आज...

गुरुवार को सुबह 8:15 बजे बजट टीम के साथ फोटो सेशन होगा। सुबह 8.45 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद वित्त मंत्री 9.15 बजे संसद भवन पहुंचेंगी। सुबह 10 बजे कैबिनेट की बैठक होगी, जिसके बाद वित्त मंत्री सुबह 11 बजे सदन में बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री के बजट भाषण का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज, ऑल इंडिया रेडियो, वित्त मंत्रालय के यू-ट्यूब चैनल, संसद टीवी और हिंदुस्थान समाचार की वेबसाइट पर लाइव देख सकते हैं।

कटिहार में राहुल...

वाहन (एसयूवी) की छत पर बैठे थे जो धीरे-धीरे शहर की मुख्य सड़कों से गुजर रहा था। उन्होंने सड़क पर जमा उत्साही भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया तथा स्थानीय लोग सड़क के दोनों ओर कतारबद्ध होकर जुलूस को गुजरते हुए देखते रहे। राहुल गांधी के साथ तारिक अनवर, शकील अहमद भी गाड़ी के ऊपर बैठ कर हाथ हिलाकर लोगों का अभिनंदन स्वीकार कर रहे थे। इस बीच गाड़ी का शीशा डीएस कॉलेज के पास टूट गया।

तोशाखाना केस में ...

कुरैशी को साइफर केस में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। रावलपिंडी के स्पेशल कोर्ट के जज अबुल हसनत जुल्करनैन ने अदियाला जेल में फैसले का ऐलान किया था। विभिन्न आरोपों का सामना कर रहे इमरान खान इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उनकी पार्टी आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। जवाबदेही अदालत के जज मोहम्मद बशीर अदियाला जेल पहुंचे और इमरान खान के पेश होने के बाद फैसला सुनाया। बुशरा बीबी फैसले के वक्त पेश नहीं हुईं। पिछले महीने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने सऊदी क्राउन प्रिंस से प्राप्त एक आभूषण सेट को कम मूल्यांकन के बावजूद अपने पास रखने पर एक नया मामला दायर किया था। जवाबदेही अदालत ने इस महीने की शुरुआत में इमरान और बुशरा को दोषी ठहराया था। ब्यूरो ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान इमरान और उनकी पत्नी को विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी गण्यमान्य व्यक्तियों से कुल 108 उपहार मिले। इनमें से करीब 14 करोड़ रुपए के 58 उपहारों को इमरान खान ने तोशाखाना से सस्ते दाम पर खरीदा। फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया।

बीएसएफ सीमावर्ती इलाके...

काफी अत्याचार कर रही है। लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी जा रही है। यहां पर बीएसएफ एक नया तरीका अपना रही है। लोगों से कह रही है कि यहां उनसे (बीएसएफ) एक कार्ड लेना होगा, अब यह कौनसा कार्ड है और कितने कार्ड रखे जाएंगे? उन्होंने कहा कि लोगों के पास आधार, पैन, कन्याश्री, रुपश्री सहित अन्य कार्ड है। असल में तो इनका (बीएसएफ) का इरादा कार्ड में हेराफेरी करके नाम हटाकर लोगों को यहां निकालने और डिटेंशन कैंप में भेजने का है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद सीमावर्ती इलाका है, क्रास्न काफी अत्याचार कर रही है। लोगों की गोली मारकर हत्या कर रही है। उन्होने कहा कि वह डीएम और एसडीओ को अनुमति देती हैं कि कार्ड को लेकर अगर कोई आंतरिक सीमा पर परमिशन मांगी जाती है तो डीएम, बीडीओ और एसडीओ इसकी अनुमति देंगे। राज्य की कानून-व्यवस्था राज्य सरकार के हाथ में है। बीएसएफ का काम सीमावर्ती इलाके को संभालना है। बता दें कि इसके पहले भी ममता बनर्जी ने बीएसएफ पर आरोप लगाया था। बीएसएफ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए एक बयान जारी कर कहा था कि बीएसएफ स्वतंत्र रूप से काम करती है। इसका किसी भी राजनीतिक दल से लेना-देना नहीं है। न ही बीएसएफ की ओर से कोई कार्ड ही जारी की जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा लगाये गए आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। इस दिन जब राहुल गांधी बिहार के कटिहार से बंगाल के मालदा में दाखिल हुए तो ममता बनर्जी मालदा की सभा में भाषण दे रही थीं। वहां से ममता मुर्शिदाबाद चली गईं। मुर्शिदाबाद में मंच से ममता ने दावा किया कि मालदा से हेलीकॉप्टर में चढ़ने के बाद उन्हें एक संदेश मिला। तभी उन्हें राहुल की कार पर हमले की जानकारी मिली। ममता ने कहा कि मुझे एक संदेश मिला कि किसने राहुल की कार का शीशा तोड़ा। हमें ये चीजें पसंद नहीं हैं। मुझे पता चला कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। यह कटिहार में हुआ। ममता ने इस संदर्भ में नीतीश कुमार का नाम भी लिया। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा और नीतीश एक हो गए हैं। उनमें गुस्सा हो सकता है। लेकिन यहां कोई भी सभा कर सकता है। हमें कोई आपत्ति नहीं है।

यूएई के हिंदू ...

सहिष्णुता के बारे में सिखाता है। उन्होंने कहा कि ये मंदरि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार होगा। कनाडा के राजदूत राधा कृष्ण पांडे ने भी मंदिर की डिजाइन उसकी कलात्मका की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ये मंदिर काफी आकर्षक है। इसके साथ ही कनाडा के राजदूत ने मंदिर के निर्माण के लिए महंत स्वामी का धन्यवाद किया। यूनाइटेड किंगडम के उप राजदूत जोनाथन नाइट ने मंदिर का दौरा करने के बाद कहा कि ऐसे मंदिर को देखना अपने आप में बेहद अद्भुत है, जिसमें एक साथ कई सारे धर्मों के ऐसे चित्र बनाए गए हैं, जो कि सदियों तक चलेंगे। वो उम्मीद करते हैं कि यह मंदिर घर से दूर एक घर का अनुभव देगा। सिंगापुर के राजदूत कमल आर वासवानी ने मंदिर को मानवीय भावना का प्रमाण बताया, उन्होंने कहा कि हम सभी के बीच कई समानताएं हैं, मंदिर के आसपास दर्शाए गए मूल्य कई अलग-अलग धर्मों, संस्कृतियों और आस्थाओं के बीच साझा हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि हम शांति और सद्भाव के साथ कैसे रह सकते हैं। आपको बता दें कि इस मंदिर का दौरा करने वाले राजदूतों और वरिष्ठ राजनयिकों में अर्जेंटीना, आर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, बोस्निया और हर्जेगोविना, कनाडा, चाड, चिली, साइप्रस, चेक गणराज्य, डोमिनिकन गणराज्य, मिस्र, यूरोपीय संघ, फिजी, गाम्बिया, जर्मनी के राजदूत और वरिष्ठ राजनयिक शामिल हैं। साथ ही घाना, आयरलैंड, इजराइल, इटली, मोल्दोवा, मोंटेनेग्रो, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, नाइजीरिया, पनामा, फिलीपींस, पोलैंड, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, स्वीडन, सीरिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यूके, अमेरिका, जिम्बाब्वे और जाम्बिया के राजदूत और राजनयिक शामिल हुए थे। सभी राजनेताओं को बच्चों के हाथों से बना एक खूबसूरत पत्थर दिया गया है। जिस पर मंदिर की आकृति बनी है।

मेक्सिको : दो वाहनों ...

मोचिस (सिनालोआ) जा रही थी। दोनों वाहन देखते ही देखते जलकर राख हो गए। मरने वालों में सर्वाधिक लोग समुद्र तटीय शहर लॉस मोचिस के बताए गए हैं। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बस में 37 यात्री सवार थे। दोपहर तक मृतकों के नाम जारी नहीं किए गए। नेशनल गार्ड और अन्य सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। राज्य अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। सिनालोआ के गवर्नर रूबेन रोचा मोया ने एक्स हैंडल पर दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

ईडी की टीम ...

भारती और हेमा यादव सहित सात लोगों को पूछताछ के लिए 9 जनवरी को दिल्ली मुख्यालय के ईडी कार्यालय में आने का समन दिया। ईडी ने राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव के अलावा इनके सीए अमिल कातयाल और जमीन देकर रेलवे में नौकरी पाने वाले हृदयानंद चौधरी को भी कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। राबड़ी आवास पर ईडी की टीम के पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद आनन-फानन में राजद के कई वरिष्ठ नेता राबड़ी आवास पहुंचे। इस दौरान ईडी की टीम करीब 10 मिनट तक राबड़ी आवास में रूकी। ईडी की टीम ने राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत सभी सात आरोपियों को नोटिस देकर पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित अपने दफ्तर बुलाया है।

राहुल पर हमले ...

उनकी गाड़ी ने राज्य (बंगाल) में प्रवेश किया तब उसका पिछला शीशा पहले से टूटा हुआ था। बनर्जी ने कहा कि मुझे संदेश मिला कि राहुल गांधी की कार पर पथराव किया गया। मैंने पता किया कि दरअसल क्या हुआ, तब मैंने पाया कि यह घटना बंगाल में नहीं बल्कि कटिहार में हुई। जब यह कार बंगाल आई तब उसका शीशा पहले से टूटा हुआ था। मैं इस घटना की निंदा करती हूं। यह कुछ नहीं बल्कि ड्रामा है। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत जिस कार में राहुल गांधी सफर कर रहे थे, उस पर बुधवार को तृणमूल समर्थकों ने पथराव किया। इस घटना में कार का पिछला शीशा टूट गया लेकिन राहुल गांधी को चोट नहीं पहुंची। बनर्जी ने यह संदेह भी व्यक्ति किया कि यह घटना बिहार में लोगों के गुस्से की अभिव्यक्ति भी हो सकती है।

गिरफ्तार हो सकते हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा

जोरहाट (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को गिरफ्तार किया जा सकता है। बोरा आज थाने में पेश होंगे। इसी बीच अध्यक्ष बोरा ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि वह अग्रिम जमानत लेकर सरकार के सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने ऐसा कोई अपराध नहीं किया है। जोरहाट पुलिस ने बीते सप्ताह राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के दौरान बोरा के खिलाफ दो गैर-जमानती धाराओं समेत कुल आठ धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। तदनुसार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की आज जोरहाट थाना में पेशी है। इसी बीच भूपेन बोरा ने आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि यदि आज उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया तो पार्टी के प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता भक्ति, ईमानदारी, अहिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए लोकसभा चुनाव संबंधी गतिविधियों से जुड़े रहने का आग्रह किया। भूपेन बोरा ने कहा कि उनपर जो धाराएं लगाई गई हैं वह हत्या से संबंधित है। उन्होंने किसी की हत्या नहीं की है, इसीलिए उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया की सरकार सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक प्रतिशोध ले रही है। जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें गिरफ्तार भी किया गया तो जोरहाट जेल का एक विशेष इतिहास है। इस जेल में कुशल कोंवर को भी रखा गया था।

बटद्रवा थान के हतीपुखुरी में छोड़ा गया दुर्लभ प्रजाति का बड़ा कछुआ

नगांव (हिंस)। जिले के बटद्रवा स्थित महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि की विरासत हतीपुखुरी (तालाब) में प्रकृति प्रेमी लोगों ने बुधवार को दुर्लभ प्रजाति के एक बड़े कछुए को संरक्षित करने के उद्देश्य से छोड़ा। बटद्रवा थान (मठ) प्रबंध समिति ने गुरुजन के जन्मस्थान पर दुर्लभ प्रजाति के कछुए को संरक्षित करने के उपाय करने के लिए राज्य सरकार से मदद मांगी है। नगांव के सिंगिया पोतनी तेलिया गांव से दुर्लभ प्रजाति के एक बड़े कछुए को लेकर गांव की महिलाएं बटद्रवा थान पहुंचीं। सिंगिया पोतनी तेलिया गांव के एक तालाब से दुर्लभ प्रजाति के कछुए को लाकर उसे संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रकृति प्रेमी पद्म कांत शर्मा, दीपा शर्मा के साथ ही गांव की अन्य महिलाएं बटद्रवा थान पहुंचकर ऐताहिसाक हातीपुखुरी में कछुए को छोड़ दिया। इस मौके पर बटद्रवा थान प्रबंध समिति के सदस्य पंकज बरुवा, बटद्रवा थान के नामाचार्य देवेन आते और हतीबहा के वैष्णव भक्तों की उपस्थिति रहे।

टियक के वीर लाचित मैदान में मनाया गया मे-डाम-मे-फी उत्सव

जोरहाट (हिंस)। राज्य में आहोम जनजाति का प्रमुख उत्सव मे-डाम-मे-फी दिवस बुधवार को मनाया जा रहा है। ताई आहोम लोग आज इस विशेष दिन पर अपने पूर्वजों को याद करते हैं। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ जोरहाट जिला के टियक के होलोंगपार स्थित वीर लाचित मैदाम में भी मे-डाम-मे-फी उत्सव मनाया जा रहा है। मे-डाम-मे-फी के अवसर पर बुधवार सुबह वीर लाचित मैदाम में ताई आहोम समाज के लोगों ने रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना करते हुए अपने पूर्वजों को याद किया। दरअसल, होलोंगापार के इस लाचित बोरफुकन मैदाम परिसर में असम सरकार वीर लाचित की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से लाचित परियोजना को क्रियान्वित कर रही है और वीर लाचित की ऊंची प्रतिमा सहित प्रथम चरण का कार्य लगभग पूरा होने वाला है। इसलिए इस बार लाचित मैदाम संरक्षण समिति सिर्फ अध्यात्म की रक्षा के उद्देश्य से मे-डाम-मे-फी मना रही है। साथ ही लाचित परियोजना के निर्माण के लिए उठाए गए इस कदम के लिए सरकार को धन्यवाद देते हुए, देश के प्रधानमंत्री से यह उम्मीद जताई कि जल्द से जल्द शेष कार्य पूरा करने के के लिए वे मुख्यमंत्री का सहयोग करेंगे, जिससे परियोजना को लोगों के खोला जा सके। ज्ञात हो कि आज राजधानी गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी मे-डाम-मे-फी उत्सव मनाया जा रहा है।

सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एबीएमएसयू ने निकाली जागरुकता रैली

कोकराझाड़ (हिंस)। सामाजिक बुराइयों के खिलाफ ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) की पहल पर बुधवार को कोकराझाड़ जिले के भोटगांव में ड्रग्स, शराब, जुआ, बाल विवाह, बाल श्रम के खिलाफ जागरुकता रैली निकाली गयी। बुधवार को ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन की कोकराझाड़ जिला समिति की पहल पर और दक्षिण कोकराझाड़ की क्षेत्रीय समिति के सहयोग से एक जागरुकता रैली निकाली गई। एबीएमएसयू के केंद्रीय महासचिव जैदुल इस्लाम के नेतृत्व में कोकराझाड़ शहर से सटे भोटगांव में एबीएमएसयू के केंद्रीय कार्यालय परिसर से भोटगांव के काशीपाड़ा और सेंगमारी बाजारों में नशीली दवाओं, शराब, भांग, जुआ, बाल विवाह की रोकथाम और बाल श्रम के खिलाफ जागरुकता रैली निकाली गई। उल्लेखनीय है कि जागरुकता रैली में एबीएमएसयू नेताओं के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भी भाग लिया।

275 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। असम पुलिस ने करीमगंज में भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। इस सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर असम-त्रिपुरा सीमा पर पुलिस ने एक ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक के एक गुप्त कक्ष में छिपाए गए गांजा की एक बड़ी खेप जब्त की गई। करीमगंज के चुराईबाड़ी थाना के इंस्पेक्टर प्रणव मिली ने ट्रक (एएस-01क्यूसी-8165) से 45 पार्सल में बंधे हुए 275 किलोग्राम गांजा के साथ जब्त कर लिया। ट्रक चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी पहचान बोको निवासी द्विप कुमार हाजोंग और राजीव कलिता के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

क्रिकेटर मयंक अग्रवाल को अस्पताल से मिली छुट्टी बेंगलुरू के लिए रवाना

अगरतला (हिंस)। क्रिकेटर मयंक अग्रवाल को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। बुधवार की दोपहर करीब दो बजे अगरतला के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे मयंक की डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद छुट्टी दे दी है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मयंक सीधे एमबीबी एयरपोर्ट पहुंचे और बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए। दरअसल, कर्नाटक रणजी टीम मंगलवार को दोपहर की फ्लाइट में अगरतला से रवाना हो रही थी। तभी विमान में सवार होने के बाद टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल की अचानक तबीयत खराब हो गई।

असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 31 जनवरी से 2 फरवरी के दौरान असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने बुधवार को बताया है कि 31 जनवरी से 2 फरवरी के दौरान असम, मेघालय, सिक्किम नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। साथ ही कहा गया है कि अगले सात दिन (30 जनवरी से 5 फरवरी) के दौरान अरुणाचल प्रदेश में हल्की एवं मध्यम छिटपुट से लेकर काफी व्यापक वर्षा एवं बर्फबाड़ी होने की संभावना है। इसके अलावा 2 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा एवं बर्फबाड़ी की भी संभावना है और 31 जनवरी और 2 फरवरी को उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी), गुवाहाटी के अनुसार गुवाहाटी के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 31 जनवरी को न्यूनतम तापमान 11 और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

होजाई में लाखों की चोरी, जनता परेशान

होजाई (निसं)। होजाई में चोरी की घटनाओं से लोग काफी परेशान है। मंगलवार रात होजाई के गंगा प्रसाद केडिया रोड (वार्ड नंबर 13) शंकरदेव जूनियर कॉलेज के सामने राजू सिंघानिया नामक व्यक्ति के घर में उनके पीछे के गेट से चोरों ने धावा बोलकर लगभग चार-साढ़े चार लाख रुपए के आभूषण व नगद राशि चुरा के फ़ू चक्कर हो गए। प्राप्त सूचना के अनुसार जब राजू सिंघानिया व उनके घर के सभी लोग एक शादी के समारोह में गए हुए थे तब यह घटना घटी। राजू सिंघानिया ने इस संवाददाता को बताया की कि वह व उनके परिवार के सभी सदस्य 7 बजे घर 100 मीटर दूरी पर स्थित रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला स्मृति भवन में एक शादी के कार्यक्रम के लिए गए और जब 10 बजे घर लौटे तो घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ। उन्होंने आगे बताय चोरों ने दो सोने की चेन, चार कान की बालियां, एक सोने का मांग टीका, एक सोने की अंगूठी, आठ चांदी के सिक्के, एक चांदी का प्याला व नगर 30,000 थे। सिंघानिया ने आगे बताया कि उन्होंने तुरंत रात को ही पुलिस को फोन किया था और पुलिस मौके पर पहुंचकर चोरी

का संज्ञान लिया व आज दोपहर उन्होंने थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया है जल्दी चोरों को दर्द दबोच लिया जाएगा। होजाई के लोगों कहना है कि दिनों दिन इन चोरों की घटनाओं से उनका जीना हराम हो गया है लोग दहशत में है। होजाईवासियों ने पुलिस प्रशासन से आह्वान किया है कि वे इन चोरी की घटनाओं पर जल्द से जल्द लगाम लगाई।

हिरासत से भाग रहे चोरी के आरोपी को पुलिस ने मारी गोली, घायल

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लंका के डबका में हिरासत से भागने का प्रयास कर चोरी के आरोप में पकड़े गए व्यक्ति को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद फिर दबोच लिया। उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को नीलबागान में दो बदमाश एक व्यक्ति से तीन लाख रुपए चुराकर फरार हो गए थे। पुलिस ने चोरी के आरोप में नागालो नानी को गिरफ्तार किया था। पुलिस डबका के हल्धिआटी से नागालो नानी को लेकर तलाशी अभियान चलाने के बाद वापस लौट रही थी। इसी दौरान डबका-डिफू लिंक रोड पर सालबागान में उसने पुलिस के वाहन से भागने की कोशिश की। इस पर उसे रोकने के लिए पुलिस ने पहले चेतावनी दी फिर उस पर फायरिंग कर दी। गोली नागालो के पैर में लगी। घायल नानी को पुलिस ने दबोच लिया। घायल को पुलिस ने रात में ही डबका के सामुदायिक अस्पताल ले गई, लेकिन बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए होजाई के जिला अस्पताल भेज दिया गया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक मुठभेड़ के संबंध में किसी तरह की कोई औपचारिक जानकारी साझा नहीं किया है। दरअसल, मंगलवार को अलाउद्दीन नामक व्यक्ति पंजाब नेशनल बैंक ऑफ नीलबागान की शाखा से पैसे निकालकर अपनी बाइक में रख दिया था। इसी दौरान नागालो नानी और उसके दूसरे साथी माइकल रायडो ने बाइक से पैसे चुराकर भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने दोनों को पकड़ लिया।

भारत-भूटान सीमा पर 103 सोने के बिस्कुट और विदेशी मुद्रा के साथ तीन गिरफ्तार

तामुलपुर (हिंस)। सीमा शुल्क विभाग ने भारत-भूटान सीमा पर 103 सोने के बिस्कुट और विदेशी मुद्रा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। विभाग द्वारा आज दी गई औपचारिक सूचना के अनुसार विभाग के अधिकारियों ने भारत-भूटान सीमा पर दरंगा एलसीएस के पास 2.60 किलोग्राम वजन का 103 सोने के बिस्कुट जब्त किए। जब्त सोना की कीमत एक करोड़ 32 लाख रुपए आंकी गई है। इस दौरान सोने के अलावा, 2.27 लाख और 1.12 लाख रुपए मूल्य का विदेशी मुद्रा भी जब्त किया गया। सीमा शुल्क विभाग इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान का पार्थिव शरीर आज पहुंचेगा असम

चिरांग (हिंस)। छत्तीसगढ़ में माओवादियों के हमले में बलिदान हुए सीआरपीएफ के जवान का पार्थिव शरीर गुरुवार को असम लाया जाएगा। गुरुवार को ही दोपहर को सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बुधवार सुबह चिरांग जिला पुलिस अधीक्षक प्राणजीत बोरा, सीआरपीएफ के निचले असम डीआईजी सुनंदा कुमार और 156वीं बटालियन के कमांडर कैलाश नाथ के साथ सीआरपीएफ का एक दल बलिदान लंबोधर सिंह के आवास पर पहुंचे और बलिदान जवान के बुजुर्ग पिता तुलेन सिंह, लंबोधर सिंह की सह-धर्मिनी मिनती सिंह के साथ वार्ता की। इससे पहले लंबोदर सिंह के परिजनों को शाम को फोन पर सूचना मिली कि लंबोधर सिंह नक्सलियों के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें उन्नत चिकित्सा के लिए हेलीकाप्टर से रायपुर ले जाया गया है। बाद में रात 8 बजे सीआरपीएफ ने दोबारा फोन कर जानकारी दी कि सीआरपीएफ जवान लंबोदर सिंह मातृ भूमि की सुरक्षा के लिए बलिदान हो गए हैं। इस घटना से उनके घर और पूरे गांव में मातम फैल गया। जानकारी के अनुसार आगामी गुरुवार को बलिदान हुए जवान का पार्थिव शरीर पहले सुबह 7 बजे छत्तीसगढ़ से गुवाहाटी के बोरझाड़ स्थित हवाई अड्डे पर पहुंचेगा और फिर वहां से चिरांग जिले के काकरागांव भटीपाड़ा में उनके निवास पर लाया जाएगा। बहादुर जवान लंबोदर सिंह का अंतिम संस्कार गुरुवार को ही दोपहर में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित सुकमा और बीजापुर जिले के टेकलगुडेम गांव में सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन के शिविर पर घातक माओवादी हमला हुआ था। इस नक्सलियों के हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान बलिदान हो गए थे और 14 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। माओवादी हमले में बलिदान हुए तीन जवानों में असम के चिरांग जिलांतर्गत के काजलगांव थाना अंतर्गत काकरागांव भटीपाड़ा के रहने वाले सीआरपीएफ जवान लंबोदर सिंह भी शामिल थे। काजलगांव थानांतर्गत काकारागांव भाटीपाड़ा निवासी तुलेन सिंह के दूसरे पुत्र लंबोदर सिंह वर्ष 2011 में सीआरपीएफ बल में शामिल हुआ थे। वे छत्तीसगढ़ स्थित सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन में तैनात थे। बलिदान जवान की एकमात्र 9 वर्षीय पुत्री है।

उपद्रवियों की फायरिंग में दो की मौत

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खासकर म्यांमार सीमाक्षेत्र से जुड़े मणिपुर के जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। बुधवार को मणिपुर पुलिस की दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के कांग्पोकपी और इंफाल पश्चिम जिले के सीमावर्ती इलाके में हथियारबंद उपद्रवियों के बीच गोलीबाड़ी में दो लोग मारे गए हैं। इस घटना के बाद अपराधियों को पकड़ने के लिए दोनों जिलों में सुरक्षाबलों का सघन छापामारी अभियान चल रहा है।

काफी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में लगातार हथियार और गोला-बारूद बरामद किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में मणिपुर पुलिस, मणिपुर राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ तथा भारतीय सेना द्वारा तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। अभियान में काफी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। पुलिस द्वारा असम राइफल्स के साथ चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान मैगजीन के साथ एक 9 मिमी की पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, एक मैगजीन के साथ 5.56 मिमी राइफल, एक 12 बोर की बंदूक, एक मोर्टार (पम्पी), दंगा विरोधी गोला बारूद, 2 आंसू गैस का खोल, 1 आंसू गैस ग्रेनेड, 2 कार्ट 38 मिमी, दो 9 मिमी सीएमजी मैग और एक जोड़ी जंगल बूट चुराचांदपुर जिले से बरामद किए गए। घाटी तथा भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित विभिन्न जिलों में सुरक्षा बल सघन छापामारी अभियान चला रहे हैं।

रंगिया : श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन की तैयारियां जोरों पर

रंगिया (विभास)। आगामी 09, 10 और 11 फरवरी को श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां अधिवेशन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस बीच स्वागत समिति द्वारा इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। अधिवेशन को लेकर प्रतिदिन 35 उप-समितियां सक्रिय रूप से दिन-रात काम मे लगी हुई है। वहीं कुछ ही दिनों बाद आयोजन क्षेत्र यानी मोरानजना स्थित हाथीखोला पथार का श्री मंत शंकरदेव समन्वय क्षेत्र, दूसरे वैकुंठधाम में परिणित हो जाएगा और पूरा क्षेत्र हरि नाम से मुखरित होगा। इस अधिवेशन के लिए करीब चार करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। कार्यक्रम में करीब पांच लाख वैष्णव भक्त की उपस्थिति रहेगी। उनके भोजन के लिए एक बड़े भोजनालय का निर्माण किया गया है, जिसमें एकबार में पांच हजार वैष्णव भक्त महाप्रसाद ग्रहण करेंगे। यहां 300 से भी अधिक चूल्हों में महाप्रसाद बनाया जाएगा। कुछ ही दिनों के बाद समूचा रंगिया क्षेत्र गुरु वंदना से मुखरित होगा।

मणिपुर पुलिस ने 233 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 233 लोगों को हिरासत में लिया। इस दौरान चुराचांदपुर जिले के डंपी रेंज में सुरक्षा बलों ने दो बंकर नष्ट किया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 299 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 193 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है।

महानगर के होटल रेडिसन ब्लू में दस दिवसीय कश्मीरी फूड फीस्ट का आयोजन

गुवाहाटी। महानगर के पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में 10 दिवसीय कश्मीरी फूड फीस्ट का आयोजन किया जा रहा है, 2 फरवरी से 11 फरवरी तक चलने वाले 10 दिवसीय कश्मीरी फूड फेस्टिवल में कश्मीरी खानपान की दर्जनों लजीज व्यंजनों की प्रस्तुति की जाएगी, कश्मीर पहलगाम के रहने वाले मशहूर सेफ शब्बीर ने पसंदीदा व्यंजनों की एक खास मेनू तैयार की है जिसमें कश्मीर का मशहूर मटन रिश्ता, गुस्तावा तबक माज, वाजा कोकुर, लहाबी कबाब, नदरू यखनी तथा सुगंधित कहवा शामिल है। इस अवसर पर रेडिसन ब्लू गुवाहाटी के एग्जीक्यूटिव सेफ करके कार्तिकेयन ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि हम कश्मीरी फूड फेस्ट कार्यक्रम के जरिए अपने मेहमानों के लिए कश्मीर के सबसे उत्तम स्वाद पेश कर रहे हैं वही सेफ शब्बीर की पाक कला विशेषज्ञ और कश्मीरी व्यंजनों की प्रमाणिकता के साथ मिलकर हम भोजन का

एक खास अनुभव प्रदान करने का वादा करते हैं सेफ शब्बीर ने एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से बताया कि मैं इस उत्सव के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत की सुंदर पहाड़ियों में कश्मीर का असली स्वाद लाने में कामयाब रहूंगा,खाने के शौकीनों के बीच कश्मीरी भोजन का प्रेम निर्विवाद है और मुझे उम्मीद है कि मैं अपने मेहमानों को एक अविस्मरणीय भोजन का अनुभव दे कर जाऊंगा।

संपादकीया

पीएम के निशाने पर 'इंडिया'

बेशक नीतीश कुमार के भाजपा से जुडने का व्यापक असर राष्ट्रीय राजनीति पर न पड़े, क्योंकि उनकी सियासत बिहार तक ही सीमित रही है, लेकिन वह राजनीति की अवधारणा बदल सकते हैं। विपक्षी गठबंधन के तौर पर जो अवधारणा देश भर में बन सकती थी, वह अब बिखर सकती है। यूं कहें कि बिखराव के मुहाने पर है। नीतीश ने ही प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाते हुए विपक्ष का आह्वान किया था कि एकजुट होकर चुनाव लड़ोगे, तो भाजपा को 100 सीटों तक रोका जा सकता है। हालांकि यह आह्वान भी अतिशयोक्ति था, लेकिन नीतीश ने ही सूत्रधार बनकर अपील की थी कि कांग्रेस को धुरी बनाए बिना कोई विपक्षी गठबंधन कारगर साबित नहीं हो सकता, क्योंकि वह विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी व्यापकता भी असंदिग्ध है। उन्होंने

नीतीश ने ही प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाते हुए विपक्ष का आह्वान किया था कि एकजुट होकर चुनाव लड़ोगे, तो भाजपा को 100 सीटों तक रोका जा सकता है। हालांकि यह आह्वान भी अतिशयोक्ति था, लेकिन नीतीश ने ही सूत्रधार बनकर अपील की थी कि कांग्रेस को धुरी बनाए बिना कोई विपक्षी गठबंधन कारगर साबित नहीं हो सकता, क्योंकि वह विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी व्यापकता भी असंदिग्ध है। उन्होंने सोनिया-राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडग़े से लेकर ममता बनर्जी, केजरीवाल, नवीन पटनायक, चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव और वामपंथी नेताओं तक सभी से मुलाकात कर एक साझा मंच बनाने की कोशिशें जारी रखीं। दरअसल विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' नीतीश के राजनीतिक प्रयासों का ही प्रतिफल है। यह दीगर है कि वह इस नामकरण से सहमत नहीं थे। सवाल है कि कल तक जो शख्स विपक्ष का सूत्रधार था, उसे गठबंधन का संयोजक तक क्यों नहीं बनाया गया? क्या जातीय गणना के मुद्दे पर असहमति और आरक्षण के विरोधाभासों के कारण नीतीश को हाशिए पर रखा गया? न तो उनमें प्रधानमंत्री बनने की इच्छा थी और न ही उनकी पार्टी इतनी बड़ी है कि प्रधानमंत्री पद का दावा कर सके। दरअसल जो अंतर्विरोध कांग्रेस और समाजवादी दलों के बीच 1970 के दशक में गहराए थे, वे आज भी मौजूद हैं, बेशक पिछले कुछ दशकों से कांग्रेस इन्हीं दलों की सरकारों को समर्थन देती रही है।

सोनिया-राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडग़े से लेकर ममता बनर्जी, केजरीवाल, नवीन पटनायक, चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव और वामपंथी नेताओं तक सभी से मुलाकात कर एक साझा मंच बनाने की कोशिशें जारी रखीं। दरअसल विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' नीतीश के राजनीतिक प्रयासों का ही प्रतिफल है। यह दीगर है कि वह इस नामकरण से सहमत नहीं थे। सवाल है कि कल तक जो शख्स विपक्ष का सूत्रधार था, उसे गठबंधन का संयोजक तक क्यों नहीं बनाया गया? क्या जातीय गणना के मुद्दे पर असहमति और आरक्षण के विरोधाभासों के कारण नीतीश को हाशिए पर रखा गया? न तो उनमें प्रधानमंत्री बनने की इच्छा थी और न ही उनकी पार्टी इतनी बड़ी है कि प्रधानमंत्री पद का दावा कर सके। दरअसल जो अंतर्विरोध कांग्रेस और समाजवादी दलों के बीच 1970 के दशक में गहराए थे, वे आज भी मौजूद हैं, बेशक पिछले कुछ दशकों से कांग्रेस इन्हीं दलों की सरकारों को समर्थन देती रही है। आज उन्हीं के समर्थन और सहयोग से विपक्षी गठबंधन बनाने को विवश है। 'इंडिया' में भी कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के कंधों पर सवार होकर खुद को मजबूत करने की राजनीति कर रही है। नतीजतन ममता बनर्जी, केजरीवाल ने गठबंधन न करने के बयान दिए हैं और नीतीश कुमार तो पाला बदल कर भाजपा के साथ चले गए हैं। उप्र में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 11 सीटें देने की घोषणा की थी, लेकिन कांग्रेस अब भी 16 सीटें लेने पर अड़ी है और सपा अध्यक्ष की घोषणा को 'अपरिपक्व' करार दे रही है। बहरहाल गठबंधन की जो धारणा देश भर में बन रही थी, नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद वह जरूर खंडित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की चुनावी रणनीति भिन्न है। दरअसल 'इंडिया' प्रधानमंत्री मोदी के निशाने पर रहा है, ताकि 'मोदी बनाम विपक्ष का साझा चेहरा' वाला चुनाव न हो सके। भीतरी सूत्रों का दावा है कि सितंबर से जनवरी के बीच प्रधानमंत्री और नीतीश के बीच 9 बार बातचीत हुई है। तीन बार तो प्रधानमंत्री ने औपचारिक तौर पर नीतीश से बात की थी। जाहिर है कि पाला बदलने के अलावा विपक्षी गठबंधन को छिन्न-भिन्न करने पर बात हुई होगी! 'इंडिया' गठबंधन के तौर पर अभी तक पुख्ता नहीं हो पाया है, लेकिन प्रधानमंत्री की रणनीति के मुताबिक भाजपा छोटी से छोटी पार्टी को भी साथ में जोड़ रही है, ताकि जातीय और क्षेत्र के स्तर पर जो छिद्र और फासले शेष रहेंगे, उन्हें भरा जा सके और लगातार तीसरी बार एनडीए का प्रधानमंत्री चुना जा सके। नीतीश कुमार 'लोअर-ओबीसी' समुदाय के कद्दावर नेता रहे हैं। उन्हें दलितों के एक तबके का भी समर्थन हासिल है। इस वर्ग को भाजपा साधना चाहती है।

दुनिया के एक महत्वपूर्ण मंच, वल्र्ड इक्नॉमिक फोरम, का सम्मेलन डावोस (स्विट्जरलैंड) में सम्पन्न हुआ

अमीरों का क्लब है वर्ल्ड इक्नॉमिक फोरम

डा. अश्विनी महाजन

वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया वल्ड इक्नॉमिक फोरम, पिछले लगभग 53 साल से वैश्विक आर्थिक संरचना पर चर्चा करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था के नाते उभरा है। व्यापार, भू-राजनीति, सुरक्षा, सहकार, ऊर्जा से लेकर पर्यावरण और प्रकृति समेत अनेकानेक मुद्दों पर इस मंच पर चर्चा होती रही है। आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी हस्तियों ने डावोस के इस सम्मेलन में भाग लिया। 60 देशों के शासनाध्यक्षों के अलावा बड़ी कई संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेता, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख, और अनेकानेक आर्थिक जगत के प्रमुख महानुभाव इस सम्मेलन में आयोजित बैठकों और गोष्ठियों में दिखे।

जनवरी 15 से 19 के बीच दुनिया के एक महत्वपूर्ण मंच, वल्ड इक्नॉमिक फोरम, का सम्मेलन डावोस (स्विट्जरलैंड) में सम्पन्न हुआ। वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया वल्ड इक्नॉमिक फोरम, पिछले लगभग 53 साल से वैश्विक आर्थिक संरचना पर चर्चा करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था के नाते उभरा है। व्यापार, भू-राजनीति, सुरक्षा, सहकार, ऊर्जा से लेकर पर्यावरण और प्रकृति समेत अनेकानेक मुद्दों पर इस मंच पर चर्चा होती रही है। आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी हस्तियों ने डावोस के इस सम्मेलन में भाग लिया। 60 देशों के शासनाध्यक्षों के अलावा बड़ी कई संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेता, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख, और अनेकानेक आर्थिक जगत के प्रमुख महानुभाव इस सम्मेलन में आयोजित बैठकों और गोष्ठियों में दिखे। 1000 बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा पोषित यह मंच, अपने सम्मेलनों में भाग लेने वालों से मोटी रकम फीस के रूप में लेता है। यानी किसी भी तरह से यह सर्वसमावेषी मंच तो नहीं कहा जा सकता। समाज में कम भाग्यशाली लोगों की ओर से बोलने वालों में से शायद कोई यहां नहीं पहुंच पाता। यह मंच दुनिया की उन विशालकाय कंपनियों की दुनिया का ही मंच कहा जा सकता है, जिनके पैसे से इसका काम चलता है, क्योंकि इसमें दुनिया के सामान्य जन के हित साधने जैसी कोई बात नहीं होती। यदि वर्ष 2024 के ही डावोस में आयोजित वल्ड इक्नॉमिक फोरम की बात करें तो देखते हैं कि 5 दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनका सामान्यजन से कोई खास सरोकार दिखाई नहीं देता। उदाहरण के लिए एक सत्र में इस बात पर चर्चा होती है कि दुनिया में व्यापार और निवेश तथाकथित रूप से कुशल साझेदारी के स्थान पर मित्रता के आधार पर हो रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध आदि स्थितियां इन कंपनियों के लिए इसलिए शुभ नहीं हैं, क्योंकि इनके कारण उनके निवेश प्रभावित हो रहे हैं, जिनके कारण उनमें चिंता व्याप्त है। वल्ड इक्नॉमिक फोरम के इस मंच पर जिन 60 शासनाध्यक्षों ने भाग लिया वे सभी वैश्विक भू-राजनीति में उथल-पुथल, देशों के बीच बढ़ती वैमनस्यता और युद्ध की स्थिति से चिंता व्यक्त करते हुए देखे गए। चाहे उनकी चिंता वाजिब है, लेकिन आर्थिकी की चर्चा करते समय उनका ध्यान

मुल्कों के बीच असमानताओं और दुनिया में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी की तरफ नहीं था। एक विषय पर जिसमें पूरे दुनिया का सरोकार है, यानी पर्यावरण और मौसम परिवर्तन, उस पर बात तो हुई, लेकिन समाधान के लिए वैश्विक नेताओं में कोई विशेष इच्छाशक्ति दिखाई नहीं दी। पिछले कई पर्यावरण सम्मेलनों से यह स्पष्ट हो रहा है कि आज पर्यावरण पर चर्चा से ज्यादा समाधान की जरूरत है। काफी साल पहले विकसित देशों ने यह वादा किया था कि वे हर वर्ष 100 अरब अमरीकी डॉलर की सहायता पर्यावरण समस्या से निपटने के लिए करेंगे। लेकिन वह सहायता कहीं दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही। उसी तरह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां, जिनकी संपत्ति खरबों डॉलरों की है, वल्ड इक्नॉमिक फोरम या अन्य मंचों पर पर्यावरण की समस्या पर चाहे चर्चा करती होंगी, लेकिन वे अभी भी अपने पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी को भी बिना भारी शुल्क पर्यावरण समस्या से निपटने के लिए साझा करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह स्थिति बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दोहरे चरित्र की ओर इंगित करती है।

मुद्दों के प्रति ईमानदारी की कमी : वे सभी महानुभाव जो डावोस की बैठक में भाग लेने आए, उन्होंने दुनिया में बिगड़ते पर्यावरण और बदलते मौसम के कारण तबाही की आशंकाओं पर चर्चा तो की, लेकिन उनमें से अधिकांश अपने-अपने निजी विमान से वहां आए। उससे कार्बन का कितना उत्सर्जन हुआ और पर्यावरण का कितना ह्रास हुआ, उस ओर वे उदासीन दिखे। यदि वास्तव में वे वल्ड इक्नॉमिक फोरम के कर्ता-धर्ता दुनिया के समक्ष प्रस्तुत मुद्दों के प्रति संवेदनशील होते तो इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारी-भरकम शुल्क की अनिवार्यता नहीं होती। ऊंचे शुल्क के कारण इस सम्मेलन में हाशिये पर खड़े समुदायों, पिछड़े समाजों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं और सामान्य लोगों को भी इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता। शासनाध्यक्षों और सरकारों में बड़े मंत्रियों और बड़ी कंपनियों के चहेते चुनिंदा बुद्धिजीवियों की उपस्थिति इन कंपनियों के एजेंडे को वैधता प्रदान करती है।

महामारी में उजागर हुआ था बड़े कारपोरेट का वीभत्स चेहरा : जाहिर है चाहे ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां मानवता और विश्व कल्याण की कितनी भी बातें करें, इनका इस सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान व्यवहार दानवों को भी लज्जित करने वाला था। फाइजर नामक कंपनी ने तो अप्रभावी वैक्सीन ही जानबूझ कर दुनिया भर में बेच दी। कंपनी को भली भांति मालूम था कि उनकी वैक्सीन प्रभावी नहीं, उसके बावजूद वो अमरीकी सरकार के माध्यम से भारत सरकार भी दबाव बना रही थी। यही नहीं अमरीकी दबाव में भारत की विपक्षी पार्टियां भी सरकार पर इसकी वैक्सीन खरीदने हेतु दबाव बना रही थी। पिछले वल्ड इक्नॉमिक फोरम (2023) में जब पत्रकारों द्वारा फाइजर कंपनी के प्रमुख से इस बाबत जवाब मांगा गया तो वो कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। यह बात छुपी हुई नहीं है कि 'गैट' समझौतों में अधिकांश समझौते बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में हुए, ट्रिप्स समझौते में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित में न केवल दवाओं और चिकित्सीय उपकरणों समेत सभी प्रकार के उत्पादों पर पेटेंट की अवधि बढ़ाई गई, प्रक्रिया पेटेंट से उत्पाद पेटेंट की व्यवस्था भी लागू की गई, जिससे दुनिया के सभी देशों में स्वास्थ्य सुरक्षा बाधित हुई। जब भारत की कैडिला कंपनी से दक्षिण अफ्रीका द्वारा दवाई खरीदने का न कंपनियों ने विरोध किया और इसके कारण उन्हें जनता के रोष का सामना करना पड़ा तो डब्ल्यूटीओ में मान्य किया गया कि महामारी और अपातकालीन परिस्थितियों में पेटेंट अप्रभावी रहेंगे। लेकिन दुनिया ने देखा कि सदी की सबसे भयंकर महामारी के बावजूद बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने पेटेंट अधिकारों को नहीं छोड़ा। यही नहीं जब भारत और दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व में 100 से अधिक देशों ने ट्रिप्स काउंसिल के सामने 'ट्रिप्स वेवर' यानी ट्रिप्स से छूट का प्रस्ताव रखा तो अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में अमरीका और यूरोपीय देशों समेत सभी विकसित देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया।

दृष्टि कोण

बड़े विजन के रंग निर्देशक थे डा. कैलाश

खालिद शरीफ ने कहा है, 'बिछुड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई। इक शख्स सारे शहर को वीरान कर गया।' 20 जनवरी 2024 की सुबह 5 बजे डा. कैलाश आहलूवालिया साहित्य और रंगमंच की दुनिया को वीरान करके चले गए। हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और बॉम्बे तक उनके देहावसान की खबर से सन्नाटा पसर गया। शोकग्रस्त नामी गिरामी दोस्तों, रंगमंच, फिल्म और लेखकों की हस्तियों को जैसे यकीन ही नहीं हो रहा था। उत्तरायण काल में उन्होंने नश्वर देह का त्याग कर दिया और हंस अकेला अनंत उड़ान भर गया था। 30 जनवरी 1937 को डा। कैलाश का जन्म कांगड़ा जिले के डुहक गांव में हुआ था। बचपन के दौरान उनका गांव विकास की बलिवेदी पर चढ़ा दिया गया था। पौंग बांध के निर्माण में उनका गांव भी अधिग्रहण की चपेट में आया और देखते ही देखते उनका गांव पौंग बांध में समा गया। विस्थापन की इस टीस को उनकी अंग्रेजी में लिखी एक पुस्तक 'बैरेज आफ मेमोरीज' (एन आटोबायोग्राफी आफ पौंग डैम आउस्टीज) और अन्य रचनाओं यथा कहानियों व कविताओं में देखी जा सकती है। एक बार उन्होंने जिक्र किया कि जब पौंग बांध बना और उनका गांव जलमग्न हुआ तब ऐसा लगा कि गांव डूबा ही नहीं, पर जितना पानी भर गया उतना तो हमारी आंखों से बह गया था। प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण करने के उपरान्त उनका परिवार चंडीगढ़ आ गया था। पढ़ाई के साथ तरुण कैलाश ने चंडीगढ़ के साहित्यिक सांस्कृतिक माहौल में दस्तक देनी शुरू कर दी थी। 1954 में पहली बार चंडीगढ़ में 'कोणार्क' नाटक खेला गया था जिसका निर्देशन डा. वीरेंद्र मेहदीरत्ता ने किया और और नायक विश्व की भूमिका डा. कैलाश ने निभाई थी। इस तरह उनको चंडीगढ़ हिंदी रंगमंच का प्रथम नायक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। नाटककार मोहन राकेश, रंग समीक्षक और कथाकार वीरेंद्र मेहदीरत्ता और अतुलवीर अरोड़ा जैसे साथियों के साथ खूब बैठकें जमती थी। बाद में युवा कैलाश को जब हिमाचल में अध्यापन का कार्य मिला तो अपनी रंगमंचीय लेखकीय अभिरुचियों के चलते मधुर व्यवहार से हिमाचल के साहित्यिक माहौल को और रंगमंच को उन्होंने 35 वर्ष से अधिक समय देकर खाद-पानी दिया। अध्यापन के अतिरिक्त उन्होंने हिमाचल के यूनिवर्सिटी और कॉलेज रंगमंच की दशा और दिशा संवारने में अन्यतम योगदान दिया। उनके संवारे रंगकर्मियों में अनुपम खेर, विजय कश्यप, जवाहर कौल, देवेंद्र गुप्ता, ओमपाल, जॉली (अश्वनी सूद), जावेद आदि के अतिरिक्त और भी रंगकर्मी ऊंचे मुकाम पर पहुंच गए हैं। मुझे भी उनके निर्देशन में कई नाटकों में अभिनय का मौका मिला था। वह मृदु भाषी और आहिस्ता से बोलने वाले प्राणी थे और बड़े ध्यानपूर्वक सुनना पड़ता था। वर्ष 1995 में हिमाचल प्रदेश क्रिएटिव राइटर्स फोरम ने उनके योगदान पर बचत भवन में एक भव्य समारोह का आयोजन करवाया जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह कर रहे थे। कार्यक्रम में थोड़ा विलम्ब हो गया था। डा. कैलाश को सम्मानित करने के उपरांत जब डा. साहेब बैठने लगे तो सीएम साहेब से आशीर्वचन देने का अनुरोध आयोजकों ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तो मैं डा. कैलाश आहलूवालिया से ही मिलने और उनको सुनने आया हूं। आज आप बोलेंगे। डा. कैलाश के ओजस्वी लेखकीय वक्तव्य सुनने के उपरात वीरभद्र जी इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने कहा कि क्या ही अच्छा होता डा. कैलाश सेवानिवृत्ति के उपरान्त शिमला में बस जाते। इससे बड़ा सम्मान और क्या हो सकता था। हमारे जमाने में शिमला कालेज में उनके तीन सहकर्मियों- प्रोफेसर अनिल विल्सन, डा. कमल अवस्थी और प्रोफेसर सुनील शर्मा और डा. कैलाश आहलूवालिया साहित्य संस्कृति जगत में 'गैंग ऑफ फोर' के नाम से जाना जाता था। यूथ फेस्टिवल्स और अन्य प्रतियोगिताओं के लिए चारों मिल कर तैयारी करते. ताकि ड्रामा के निर्देशक डा. कैलाश चन्द्र अगर किसी काम से उपलब्ध नहीं तो रिहर्सल कार्य निर्बाध चलता रहे। डा. कैलाश बड़े विजन के डायरेक्टर थे। वो अपने जेहन में पहले ही तय कर लेते थे कि क्या और कैसे करना है। सबकी सुनते थे? यदि कोई सुझाव उनकी निर्देशकीय परिकल्पना/स्कीम में फिट बैठता तो उसको यथोचित महत्त्व देते थे। कैसे और क्या करना है, के उपरान्त क्यों करना है, के लिए उसकी व्याख्या से वह तरुण अभिनेता को समझाते, फिर अभिनय के लिए खुला छोड़ देते थे। यही कारण था कि उनके निर्देशित नाटक यूथ फेस्टिवल्स में अव्वल आते थे। डा. कैलाश अभिनेता रंग निर्देशक होने के साथ साथ कवि, कहानीकार, आलोचक और संस्मरणकार भी रहे। बहुविध प्रतिभा के स्वामी डा. कैलाश आहलूवालिया अंग्रेजी भाषा में भी समान अधिकार से लिखा करते थे। भारतीय इंग्लिश लेखकों की श्रेणी में भी उनका सम्मानजनक स्थान था। अंग्रेजी में लिखी पुस्तक ने सबका ध्यान आकृष्ट किया। उनकी कहानियां, कविताएं और पुस्तक समीक्षाएं देश-विदेश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में समय समय पर छपती रही और काव्य तथा कथा संग्रहों से भी हिंदी का साहित्य संसार समृद्ध हुआ। यह दीगर है कि विस्थापन का चित्रण होने के कारण कुछ हिंदी आलोचकों ने उनको छोटा/बौना करने का कुत्सित प्रयास भी किया। वह कहते थे कि यही वो लोग हैं जो आपको और भी ज्यादा अच्छा लिखने की ऊर्जा प्रदान करते हैं। देवेन्द्र जी आपको भी ऐसे लोगों की पहचान कर लेना सीखना चाहिए। लेकिन आज मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि कैलाश चन्द्र की कहानियों में गांव असली रूप में सामने आता है। मात्र नोस्टाल्जिया बन कर नहीं। देहात में हो रहे नित नए बदलाव को उन्होंने महसूस करते हुए नया कथावृत रचने में सफलता प्राप्त की है।

कुछ अलग

लोगन राम खिलौना जाना

कबीर जिए तो राजशाही में थे। पर शायद उन्होंने पन्द्रहवीं सदी में ही विश्व गुरू के लोकतंत्र का हाल देख लिया होगा। तभी अपने निर्वाण के लिए काशी छोड़ मगहर चले गए थे। आजकल काशी में जीने का पता नहीं। पर चुनाव जीतने के लिए कुछ लोग काशी ज़रूर जाते हैं। दस साल पहले खाँसी वाले एक मफलर भाई झाड़ू लेकर चुनाव लडऩे बनारस पहुँचे थे। लेकिन काशी ने कहा कि उसे सफाई पसन्द नहीं। उसका नारा है- 'रांड, साँड, सीढ़ी, संन्यासी, इनसे बचे तो पावे काशी।' इसलिए उसने नमो-नमो जपते हुए विश्व गुरू को भारी बहुमत से चुनाव जिता दिया। उन्होंने तमाम दावों के बावजूद काशी को भले अभी क्योटो न बनाया हो, पर वह देश को विश्व गुरू बनाने पर आमादा हैं। लेकिन विश्वगुरू की हालत देखकर लगता है कि अगर काशी, काशी ही रह जाए तो बेहतर है। काशी को नया स्वरूप प्रदान करने की कोशिश में सभी पुराने मंदिरों को ज़मींदोज़ करने के बाद ढेर बने उसके देवी-देवता पास में बहती गंगा में स्नान करने की बजाय गंदे नालों के पानी में डूबे नज़र आए। ऐसे में पता नहीं कि अगर काशी क्योटो बनी तो राम जाने क्या होगा? पर काशी तो महाकाल की है। वहाँ राम का क्या काम? राम को अयोध्या में होना चाहिए। भले आत्मसंधानी राम को ब्रह्मांड के कण-कण में देखते हों, पर चुनावसंधानी उसे उँगली से पकड़ कर अयोध्या में ले आए हैं। कहते हैं काशी में मरने पर स्वर्ग मिलता है। इसलिए लोग मरने के लिए काशी पहुँच जाते हैं। विश्व गुरू के राम राज्य में अपनी आर्थिक स्थिति से परेशान आंध्र प्रदेश के एक दम्पति ने पिछले दिनों अपने दो युवा बच्चों के साथ काशी में आत्महत्या कर ली। जीते जी राम राज्य के तमाम सुख भोगने के बाद यह दम्पति इतना लालची हो गया था कि सरकार द्वारा दिए जा रहे पाँच किलो फ्री राशन को महीनों खाने के बावजूद वह मरने के बाद स्वर्ग को छोडऩा नहीं चाहता था। लेकिन उसके इस बलिदान ने ऐसे सभी अंधभक्तों के लिए स्वर्ग प्राप्ति के रास्ते खोल दिए हैं, जो अपने जीवित ईष्ट को प्रसन्न रखने के लिए जेब में दस रुपये न होने के बावजूद एक हज़ार रुपये लीटर डीज़ल-पेट्रोल और रसोई गैस का सिलेंडर पाँच हज़ार में ख़रीदने की बात करते हैं। बात सही भी है। अगर उनका देवता अन्न और औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आने के बाद भी देश को पाँच ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने की बात कर सकता है तो अंधभक्त भी जेब में दमड़ी न होने के बावजूद हज़ार रुपये लीटर तेल और रसोई सिलेंडर पाँच हज़ार में ख़रीदने का दावा तो कर ही सकते हैं। जब फैंकना ही है तो ज़ोर से और दूर तक फैंकना चाहिए। जाल भी अपना है और मछली भी। फिर चाहे जाल समुद्र से बड़ा हो जाए या मछली जाल से। चुनावी रैलियों में दोनों हाथ फैलाकर जाल और मछली का साइज़ ही तो बताना है। अंधभक्त तो तालियाँ बजाएंगे ही। कबीर ने शायद अपने समय में पंडों को देखकर कहा होगा कि माथ तिलक हाथ माला बानाए लोगन राम खिलौना जाना। लेकिन अब तो राम से पंडे और नेता ही नहीं विधर्मियों ने भी खेलना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले मेरे एक ने मुझे एक वीडियो भेजा था, जिसमें कुछ विधर्मी लड़कियाँ बड़े सुन्दर स्वर में राम महिमा का गायन कर रही थीं। पर मेरा संशय बरकऱार है। तुलसी बाबा ने कहा है कि भय बिनु होए न प्रीति। मैं सोच रहा हूँ कि यह लड़कियाँ डर के मारे राम की महिमा गा रही थीं या प्रेमवश। हालांकि मेरे मित्र दावा कर रहे थे कि यह सब विश्व गुरू के ओजस्वी और कुशल नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है कि अब विधर्मी भी श्रीराम बोलने लगे हैं।

देश दुनीया से

चीन पर अंकुश लगाने के लिए म्यांमार सीमा पर जरूरी है बाड़बंदी

म्यांमार में उथल-पुथल और हिंसा के चलते बीते दिसंबर तक 6,000 से ज्यादा शरणार्थियों ने मणिपुर में शरण ली है और उन्हें राज्य सरकार द्वारा भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। म्यांमार के साथ मणिपुर 398 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। बाड़ लगाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1970 में शुरू की गई मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) खत्म हो जाएगी। लेकिन मुश्किल यह है कि मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बाड़ लगाने का विरोध किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस संबंध में अनुरोध किया है।

म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के कारण सीमा पार से शरणार्थियों एवं विद्रोहियों की आमद के चलते भारत सरकार ने म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है, ताकि बांग्लादेश सीमा की तरह मुक्त आवाजाही व्यवस्था खत्म की जाए। सितंबर, 2023 में मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री से संदिग्ध तत्वों एवं शरणार्थियों की घुसपैठ रोकने का अनुरोध किया था। म्यांमार में उथल-पुथल और हिंसा के चलते बीते दिसंबर तक 6,000 से ज्यादा शरणार्थियों ने मणिपुर में शरण ली है और उन्हें राज्य सरकार द्वारा भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। म्यांमार के साथ मणिपुर 398 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। बाड़ लगाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1970 में शुरू की गई मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) खत्म हो जाएगी। लेकिन मुश्किल यह है कि मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बाड़ लगाने का विरोध किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस संबंध में अनुरोध किया है।

फरवरी, 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से म्यांमार के 38,500 से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली है, जिससे राज्य प्रशासन पर बोझ बढ़ गया है। रखाइन प्रांत के पश्चिमी हिस्सों में जातीय अकरम सेना (एए) द्वारा सैन्य शिविरों पर कब्जा करने के बाद 500 से अधिक म्यांमार सैनिक मिजोरम में चले आए थे। मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड समेत भारत के पूर्वोत्तर राज्य म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी खुली पहाड़ी सीमा साझा करते हैं, जिससे सुरक्षा की समस्या पैदा होती है और निवारक उपायों की जरूरत पड़ती है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन के साथ घनिष्ठ रिश्ते को देखते हुए भारत को हिंसाग्रस्त म्यांमार में युद्धरत समूहों और सेना जनरलों के बीच शांति स्थापित करके सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्रोहियों का समर्थन करने के अलावा, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के बहाने म्यांमार के नजदीक आने की चीनी रणनीति से उसे बचाने के लिए 'पड़ोसी पहले' की नीति के अनुरूप एक यथार्थवादी रणनीतिक खाका विकसित करने की जरूरत है। एक फरवरी, 2021 को जब म्यांमार में सेना ने तख्तापलट किया था, तो भारत ने सतर्क रुख अपनाया। भारत ने कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष रूप से जुंटा का समर्थन किया था, आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों का खुले तौर पर समर्थन करने से परहेज किया था, जिसने अब इसे दुविधा में डाल दिया है। भारत के सामने चीन पर अंकुश लगाने की चुनौती है, जो इसलिए खतरनाक है, क्योंकि वह कुछ जातीय समूहों का समर्थन करता है। इस जटिल परिदृश्य में 'द थ्री ब्रदरहुड एलायंस' द्वारा दिसंबर, 2023 में ऑपरेशन 1027 चलाया गया था, जिसमें ता'आंग नेशनल लिबरेशन आर्मी, एए और म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस आर्मी शामिल थी, जिसने जुंटा को हिलाकर रख दिया था। जुंटा के खिलाफ आक्रामक हमले ने इसे एक विनाशकारी झटका दिया था, जिससे चीन को इसका समर्थन करना पड़ा। 'द थ्री ब्रदरहुड एलायंस' ने प्रमुख सड़कों और सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया था, जिससे नकदी संकट से जूझ रहे जुंटा के राजस्व पर असर पड़ा और उसकी आवाजाही में बाधा उत्पन्न हुई। रिपोर्टों से पता चलता है कि शान राज्य पर अचानक हुए हमलों के बाद एए ने पश्चिमी तट पर रखाइन प्रांत में अपने बेस में सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यह विद्रोहियों द्वारा पूर्व में थाईलैंड की सीमा से लगे काया राज्य और भारत की सीमा से लगे सागांग क्षेत्र और चिन प्रांत तक फैला एक समन्वित प्रयास था। यह सशस्त्र समूहों और जुंटा के बीच एक साल से जारी संघर्ष विराम का उल्लंघन था। इस साहसिक कदम से चीन के महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों पर सेना के नियंत्रण को खतरा है, जिससे उसके हितों पर असर पड़ेगा। एलायंस देश के एक हिस्से से जुंटा को अलग करने में सफल रहा है, जिससे होकर चीन के साथ म्यामार का 40 फीसदी द्विपक्षीय सीमा व्यापार होता है; लगभग एक अरब डॉलर का व्यापार चीन में पाइप द्वारा भेजी जाने वाली प्राकृतिक गैस से होता है। इससे पहले कि इसके चलते भारत के हितों को खतरा हो, भारत को म्यांमार के प्रति अपनी पुरानी स्थिति पर पुनर्विचार करना होगा।

आप का नजरीया

जदरांगल में शिक्षा का पानीपत

इस हमाम में सब नंगे हैं-क्या भाजपा, क्या कांग्रेस। अब केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर का संताप वही भाजपा कर रही है, जो इसकी कतरब्यौंत की जिम्मेदार है। नाखून सिर्फ केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुद्दे पर नहीं चढ़े, बल्कि हिमाचल में हर सत्ता की टोह में कुर्बानियां यूं ही लिखी जाती हैं, वरना जिस धर्मशाला में ब्रिटिश विरासत के तहत आजादी के पहले से ही शिक्षा व चिकित्सा के सबसे अव्वल मुकाम लिखे गए, उससे यह साजिश न होती। पहला दौर चिकित्सा का आया और यहां की तत्कालीन विधायक चंद्रेश कुमारी से मेडिकल कालेज की नींव छीन कर जीएस बाली टांडा ले गए। प्रदेश के बड़े अस्पतालों में शुमार अस्पताल, जो कभी चंबा, ऊना व हमीरपुर के मरीजों को उपचार देता था, उसे धर्मशाला से बाकायदा छीना गया। इसके बाद वीरभद्र सिंह ने केंद्रीय विश्वविद्यालय की सौगात को धर्मशाला में चिन्हित किया, तो धूमल सरकार ने सियासी वास्तुकला के तहत इसका बोरिया बिस्तर समेटा और इस अजूबे को अंजाम देने के लिए तत्कालीन धर्मशाला के विधायक किशन कपूर ने संकल्प लिया कि इस तरह के संस्थान योग्य यह विधानसभा क्षेत्र नहीं है। यह पहला संस्थान था जिसे सियासत की हांडी में खिचड़ी की तरह उबाला जा रहा है। ऐसा वातावरण तैयार किया गया कि धर्मशाला की जमीन को अभिशप्त किया जाए और कारिंदे बदलते गए। तत्कालीन मंत्री रविंद्र सिंह रवि ने सर्वप्रथम धर्मशाला की जमीन को खड्डों-नालों और भूकंप की जननी बता कर यहां की जनता का अपमान किया, तो यह तोहमत वर्तमान सरकार की चुप्पी तक पसर रही है। जिस स्थान में हिमाचल के सबसे बड़े और विश्व के अनूठे क्रिकेट स्टेडियम में पच्चीस हजार लोगों का जमावड़ा कोई हाय तौबा नहीं करता, उसी के बगल में जदरांगल सीयू की प्रस्तावित जमीन को कभी दिल्ली के पर्यावरण मंत्रालय, तो कभी कोलकाता के भूगर्भीय सर्वेक्षण की सतत निगरानी में अग्नि परीक्षा देनी पड़ती है और अब एक साल से राज्य सरकार अनावश्यक अवरोध लगा रही है जबकि ढाई सौ करोड़ का बजट भी मुहैया है। हम इसे कांगड़ा की राजनीतिक नामर्दी भी कह सकते हैं या यह मान सकते हैं कि यह क्षेत्र सत्ता का पिछलग्गू हो गया है। आश्चर्य यह कि जिस परिसर के पक्ष में दो बार के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार बार-बार दरख्वास्त कर रहे हैं, उस पर शिमला की सत्ता खामोश है। ऐसे में क्या चार बार के विधायक व पूर्व मंत्री रहे सुधीर शर्मा के विधानसभा क्षेत्र को अभिशप्त करने की कोई कोशिश है या कांगड़ा के लाभ अब हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की बपौती हैं। आश्चर्य यह कि वर्तमान सरकार हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर के सपने को साकार करती हुई देहरा व धर्मशाला परिसर के बीच घात-प्रतिघात कर रही है। बहरहाल भाजपा के विरोध एवं चक्का जाम ने जदरांगल परिसर की बिसात पर कांग्रेस से लोकसभा चुनाव का मुद्दा छीन लिया है। जदरांगल परिसर के एक छोर में धर्मशाला, दूसरे में पालमपुर, तीसरे में नगरोटा और चौथे में शाहपुर-कांगड़ा के सरोकार समाहित हैं। ऐसे में कांग्रेस एक मुद्दा भाजपा के सुपुर्द कर रही है।

बिहार में हो रहे विकास-कार्यों को प्रचारित करें : नीतीश

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सरदार पटेल भवन में आधुनिकृत राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर उदघाटन किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि बिहार में हो रहे काम को प्रचारित करें। कार्यक्रम के पश्चात पत्रकारों बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग पूरे बिहार के विकास के लिए रात-दिन काम कर रहे हैं। आप लोगों से आग्रह है कि बिहार में हो रहे विकास कार्यों को प्रचारित-प्रसारित करिए। बिहार में सरकार में आने के बाद वर्ष 2007 से ही हम आपदा प्रबंधन को लेकर काम कर रहे हैं। पहले आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कुछ नहीं होता था। नीतीश ने कहा कि अटल जी के समय में जब हम केंद्र में कृषि मंत्री थे तब इसका अलग विभाग बना। मेरे कहने पर ही सरदार पटेल भवन में आपदा के कार्यों के लिए अलग से सबकुछ बनाया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दोनों का काम यहां से होता है। दोनों का काम देखने के लिए हम यहां आए हैं। नीतीश ने कहा कि 10 फरवरी को सदन में राज्यपाल का अभिभाषण होगा और उसी दिन बहुमत सिद्ध किया जाएगा। फिर 12 फरवरी से बजट सत्र चलेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी का शिकंजा कसने के पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनपर चार्जेज तो बहुत दिन पहले से है, इसपर जांच स्वाभाविक है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कहने पर जाति आधारित गणना करवाई, इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब फालतू की बात है। हमने 9 पार्टियों की सामूहिक बैठक में यह निर्णय लिया था। वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में हमने बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद में भी जाति आधारित गणना की बात कही थी। इसके बाद वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने गए थे। बाद में अपने स्तर पर हमने इसे करवाया। यह सबकुछ मेरा किया हुआ है, बेकार में इसका क्रेडिट कोई ले रहा है। हमने बहाली का काम भी किया है। यह सब सात निश्चय 2 में हुआ है। पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव कह रहे हैं कि हमारे 17 महीने की सरकार उनके 17 साल की सरकार पर भारी है, इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि

यह सब बेकार की बातें हैं। पहले कितने लोगों को रोजगार मिलता था? पहले पढ़ाई का स्तर क्या था? वर्ष 2005 से पहले के हालात को आप लोग भूल गए। इन लोगों का राज जब था तो क्या होता था। शाम के वक्त घर से कोई निकलता था? पहले यहां कोई विकास कार्य नहीं होता था जब हम आए तभी अच्छे और बड़े भवनों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। लोगों को इलाज के लिए सारी व्यवस्थाएं की गईं। अच्छी सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। जब हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे तब 12-12 घंटे अपने इलाके में घूमते थे लेकिन सड़कें खराब रहने के कारण पैदल चलना पड़ता था लेकिन अब यह स्थिति नहीं है। अब लोग गाड़ियों पर बैठकर सुविधापूर्वक आवागमन कर रहे हैं। हमलोगों ने गांवों में पक्की गली और नाली का निर्माण करवाया। सब काम मेरा करवाया हुआ है। कुछ लोगों को केवल पब्लिसिटी चाहिए। पहले कहीं कोई बहाली होती थी। आईएनडीआई गठबंधन से संबंधित पत्रकारों के सवाल पर कहा कि हम तो नाम भी कुछ दूसरा कह रहे थे लेकिन मेरी बात नहीं मानी गई। वे लोग अपने मन से नाम रख दिए। गठबंधन में मेरे कहने पर कोई काम नहीं हो रहा था। सीएम ने कहा कि आप लोगों को उसकी हालत पता ही है। आज तक उस गठबंधन में सीटों को लेकर फैसला नहीं हो पाया। कौन कहां से चुनाव लड़ेगा इन सब पर कोई चर्चा नहीं। तब हमने गठबंधन छोड़ने का फैसला लिया। जिनके साथ हम पहले थे अब फिर से वहां आ गए हैं। अब सब दिन हम इधर ही रहेंगे। हम केवल विकास के काम में लगे रहते हैं और आगे भी लगे रहेंगे।

उड़ी में गहरी खाई में गिरा वाहन, सात यात्रियों की मौत

बारामूला (हिंस)। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उड़ी इलाके में बुधवार को एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से सात यात्रियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आज दोपहर बुजथलन ततमुल्ला उड़ी में एक वाहन चालक के नियंत्रण से बाहर होने के बाद सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया है। बर्फबारी के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई है। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए जीएमसी बारामूला ले जाया गया है।

पंजाब रोडवेज की बस व ऑटो की भिड़ंत में दो की मौत, छह घायल

हिसार (हिंस)। हिसार-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को तलवंडी राणा गांव के पास पंजाब रोडवेज की बस व ऑटो के बीच हुई टक्कर में दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य लोग घायल है, जिन्हें नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ऑटो में आठ लोग सवार बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायलों को एंबुलेंस बुलवाकर हिसार के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि पंजाब रोडवेज की बस नंबर पीबी10एफवी-6510 टोहाना से हिसार आ रही थी, जबकि आटो नंबर एचआर39एफ-4811 हिसार से जुगलान जा रहा था। तलवंडी राणा गांव के पास बुधवार दोपहर को हुई इस घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी अशोक कुमार नागरिक अस्पताल पहुंचे और घायलों के परिजनों से बातचीत की। घायलों 35 वर्षीय निर्मला, 40 वर्षीय रामधारी, 45 वर्षीय मीनाषी, 35 वर्षीय राजवीर, 60 वर्षीय संतरो, 65 वर्षीय चन्द्र है। ऑटो राजवीर चला रहा था। मृतक महिलाओं की पहचान लगभग 50 वर्षीय बिमला व कमला के रूप में हुई है। मृतक और घायल सभी जुगलान गांव के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि जुगलान गांव निवासी रामधारी अपने परिवार के सदस्यों के साथ मोठसरा गांव गए थे। रामधारी की बेटी की शादी मोठसारा गांव में की हुई है। बेटी की ससुराल मे किसी की मौत हो गई थी। उसके दुख में शामिल होने के लिए पूरा परिवार ऑटो में गया था। वहां से वापस जुगलान गांव आ रहे थे। इसी दौरान तलवंडी हाइवे के पास लुवास विश्वविद्यालय की नजदीक सामने से आ रही पंजाब रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी।

सीएम ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ रांची के एससी-एसटी थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी

रांची (हिंस)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनके दिल्ली स्थित आवास में ईडी की छापेमारी के खिलाफ रांची के एससी-एसटी थाने में मामला दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री के आवेदन पर दर्ज प्राथमिकी में ईडी के अधिकारियों के विरुद्ध आरोप है कि उनकी गैरमौजूदगी में दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की गई और कर्मचारियों से दुर्व्यवहार किया गया। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि बीते 29 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर ईडी ने छापेमारी की थी।

राम पर विवादित बयान, विधायक रोत पर मामला दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान के आदिवासी बहुल क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत द्वारा भगवान राम और रामायण के पात्रों पर विवादित बयान देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रोत के खिलाफ आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों ने मोर्चा खोल लिया है। बुधवार को आदिवासी बहुल कोटड़ा के आदिवासी युवाओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर रोत के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज करने की मांग की है। एडवोकेट हिम्मत तावड़े ने बताया कि भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत द्वारा भारतीय संस्कृति व आस्था रामायण व रामायण के महानायकों माता सबरी भीलनी, निषादराज, हनुमानजी, राम, लक्ष्मण, सीता को काल्पनिक कहकर अपमानित करने पर आदिवासी समाज आहत है। राज्यपाल के नाम दिए गए ज्ञापन में रोत पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 295। के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की गई है। तावड़े ने कहा कि जनजाति समाज सनातन संस्कृति का पोषक व संरक्षक समाज है, यहां हर व्यक्ति अपने बच्चों के नाम के साथ राम शब्द जोड़ता है, यहां हर गांव में हर व्यक्ति मिलते समय राम-राम बोलता है, लोकाई, शादी, ब्याह में लाइन से खड़े होकर राम-राम बोलते हैं। राम हमारे जीवन के आदर्श हैं। भगवान राम 10 वर्षों तक वनवास के समय दंडकारण्य में आदिवासियों के बीच रहे हैं। आदिवासियों को संगठित किया, जीवन जीने की राह दिखाई, आदिवासियों को शक्ति संपन्न बनाकर लंका पर विजय प्राप्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में राजनीतिक दल के नेता ईसाई मिशनरियों व विदेशी शक्तियों से प्रेरित होकर आदिवासियों को संस्कृति, धार्मिकता की पटरी से नीचे उतारकर धर्मांतरण गैंग को सपोर्ट करने के लिए हिंदू देवी देवताओं को काल्पनिक बताकर युवाओं के मन से पूर्वजों की आस्था को डिलीट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की आवश्यकता बताई है।

बलिया लोकसभा सीट से सपा का उम्मीदवार लड़ेगा चुनाव : संग्राम यादव

बलिया (हिंस)। फेफना से विधायक व समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने कहा कि बलिया लोकसभा सीट पर सपा ही लड़ेगी। यह दावा करते हुए उन्होंने कहा कि यह लोकसभा सीट समाजवादियों का गढ़ है। उन्होंने बुधवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश और प्रदेश की सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार लोकतंत्र एवं संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का अपहरण कर सत्ता पर बने रहना चाहती है। सपा जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने नई मतदाता सूची में व्यापक अनियमितता का आरोप लगाया। कहा कि विधान सभा चुनाव 2022 के दौरान जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में था उनका भी नाम काट दिया गया है। विशेष रूप से समाजवादी पार्टी के समर्थन वाले बूथों और गांवों में सपा समर्थक मतदाताओं को चिन्हित करके उनका नाम काटा गया है।भाजपा पर आरोप लगाया कि थाने और पुलिस चौकियां भाजपा कार्यालय की तरह काम कर रही हैं। सपा कार्यकर्ताओं का प्रताड़ित किया जा रहा है और फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जा रही है। जिला चिकित्सालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के चिकित्सालयों की खस्ताहाल स्थिति है। कहीं भी आवश्यकता के अनुपात में चिकित्सक नहीं हैं। दवाइयों का अभाव है और जिला चिकित्सालय एक रेफरल हॉस्पिटल बन कर रह गया है। जिससे मरीजों को छोटी-छोटी बिमारियों के इलाज के लिए अन्य जनपदों में जाना पड़ रहा है। जिस कारण उनका आर्थिक और मानसिक शोषण हो रहा है। सपा जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बिजली बिल बकाया वसूली के नाम पर गरीब किसानों एवं आम जनों को प्रताड़ित किया जा रहा है। कभी एफआईआर दर्ज कराया जा रहा है तो कभी आरसी काटी जा रही है। संग्राम सिंह यादव ने विकास के सवाल पर सरकार को नकारा बताते हुए कहा कि पिछले लगभग सात वर्षों से प्रदेश की वर्तमान सरकार समाजवादी पार्टी की सरकार में किए गए जनहित एवं विकास कार्यों का फीता काट रही है या नाम बदल रही है। वर्तमान सरकार द्वारा अब तक जनपद में विकास के नाम पर एक भी कार्य नहीं किया गया। सिर्फ अखबारों में बयान या विज्ञापन दिया जाता है। कहा कि दिल्ली की पीड़िता बेटी जो जनपद के मेडवरा कला की निवासी थी, तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उसके गांव आए थे। उन्होंने उस बेटी के गांव तक की सड़क बनवाई और एक हॉस्पिटल बनवाया। वहां आज सड़क और हास्पिटल दोनों की दशा दयनीय है। उन्होंने फेफना को ब्लॉक बनाने की मांग करते हुए कहा कि इसके लिए विधानसभा में भी आवाज उठाऊंगा। संग्राम यादव ने जनेश्वर मिश्र सेतु को बिहार के बक्सर-पटना मार्ग से जोड़ने की भी मांग की। इस अवसर पर जिला महासचिव बीरबल राम, प्रवक्ता सुशील पांडेय कान्हजी, शशिकांत चतुर्वेदी, अनिल राय व समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रजनीश यादव आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा में खाली हो रही राज्यसभा सीट पंजाबी समाज को देने की मांग

फतेहाबाद (हिंस)। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साहिबदयाल वधवा, प्रदेश प्रवक्ता विनोद अरोड़ा व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश चुघ ने मांग की है कि हरियाणा में खाली हो रही एक राज्यसभा सीट पर अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज को प्रतिनिधित्व दिया जाए। साहिबदयाल वधवा ने कहा कि अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान है। अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मांग करता है कि हरियाणा में राज्यसभा की जो सीट रिक्त हुई है, उसमें अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज के किसी नेता को भेज कर अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज की हरियाणा की ओर से भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में समाज का सबसे ज्यादा योगदान है।

चार सूत्री मांगों को लेकर समाजिक और राजनैतिक संगठनों का धरना-प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज रेलवे स्टेशन परिसर में बुधवार को चार सूत्री मांग को लेकर समाजिक और राजनैतिक संगठनों ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ता राज कुमार, जदयू नेता सुधीर कुमार प्रोग्रामर, भाजपा नेता संजय चौधरी, जनसंसद के संरक्षक अजीत कुमार मौजूद थे। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि चार सूत्री मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें सुलतानगंज रेलवे स्टेशन में सभी ट्रेन का ठहराव, पैसेंजर ट्रेन में कोरोना काल के दौरान बढ़ाए गए भाड़ा को कम करना, सीनीयर सीटीजन कि सुविधा बहाल करने और देवघर सुलतानगंज परियोजना का कार्य होने पर सुलतानगंज से देवघर जाने के लिए रेल यात्रियों को सुविधा बहाल करने की मांग शामिल हैं। इस दौरान जदयू नेता मुकेश कुशवाहा, वार्ड पार्षद विभूति यादव, विनोद रजक, समाजसेवी पंकज यादव, सिकन्दर कुमार, मनीष कुमार, सुनिल रामुका सहित समाजिक संगठन के लोग मौजूद थे।

जिले के 655 गांवों में चलाया जाएगा सूर्य नमस्कार अभियान : डॉ. सुनील

आज से 20 तक चलाया जाएगा सूर्य नमस्कार अभियान

यमुनानगर (हिंस)। *हर घर परिवार सूर्य नमस्कार* अभियान को लेकर जिला योग संयोजक डॉ. सुनील कम्बोज की अध्यक्षता में बुधवार को जिला योग विशेषज्ञ शिव सैनी व सभी आयुष योग सहायकों की एक बैठक हुई। इस मौके पर डॉ. सुनील ने बताया कि हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य के निर्देशानुसार पूरे हरियाणा के हर जिले के हर गाँव के हर घर पर हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान 1 फरवरी से 20 फरवरी तक चलाया जाएगा। इस अभियान को अपने जिले मे सफल बनाने के लिए आयुष योग सहायको से कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत मंथन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत सूर्य नमस्कार प्रतिस्पर्धा भी करवाई जाएगी, जो चार चरणों मे होगी। पहले गांव स्तर पर फिर ब्लॉक स्तर पर फिर जिला स्तर व फिर राज्य स्तर पर सूर्य नमस्कार प्रतिस्पर्धा करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम मे गाँव के लोग इसमें व्यक्तिगत रूप से, परिवार रूप से व सामूहिक रूप से अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाने के बाद भाग ले सकते है। इस अभियान की तैयारियों के लिए जिले मे 3 आयुष योग सहायक देवेंदर कुमार, मधु शर्मा, पूजा रानी को विशेष प्रशिक्षण भी दिलवाया गया है। सभी आयुष योग सहायक पूरे जिले के लगभग 655 गांवों मे सूर्य नमस्कार अभियान चलाएंगे। बैठक में आयुष योग सहायक भी उपस्थित रहे।

मशहूर अभिनेत्री कामिनी कौशल को आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर (हिंस)। जयपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल (जिफ) में इस बार हिन्दी सिनेमा की ख्यातिनाम और वरिष्ठतम अभिनेत्री कामिनी कौशल को आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। उनके साथ ही राजस्थानी सिनेमा के विश्वकोश के रचियता सिने इतिहासकार मुरलीधर सोनी को भी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। यह घोषणा जिफ के संस्थापक निदेशक हनु रोज ने बुधवार को जयपुर में की। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस फिल्म समारोह का 16 वां संस्करण 9 से 13 फरवरी तक आयनॉक्स जी टी सेंट्रल, जयपुर में होगा। प्रतिष्ठित अभिनेत्री कामिनी कौशल ने 1946 की चेतन आनंद की फिल्म *नीचा नगर* से फिल्मों में प्रवेश किया और नायिका तथा चरित्र अभिनेत्री की यादगार भूमिकाएं करते हुए एक लंबी और सफल पारी खेली। उन्होंने टीवी धारावाहिक और कठपुतली कला में भी अपने काम की छाप छोड़ी। उनके उल्लेखनीय करियर, कला के प्रति उनके समर्पण और सिनेमा की दुनिया पर उनके गहरे प्रभाव के लिए यह पुरस्कार दिया जा रहा है। 97 वर्ष की इस अभिनेत्री को उनके मुंबई स्थित घर पर जाकर यह सम्मान दिया जाएगा। 2011 में कामिनी कौशल जिफ में भाग लेने जयपुर आई थी। इससे पहले ये अवार्ड आशा पारेख, शर्मिला टैगोर, जया बच्चन, प्रकाश झा, रमेश प्रसाद, रोबिन भट्ट, अपर्णा सेन, शाजी एन करुण, दिलीप कुमार, माजिद मजीदी आदि को दिया गया है। सिने इतिहासकार और अनुभवी पत्रकार लेखक मुरलीधर सोनी ने बरसों की मेहनत तथा अनुसंधान से राजस्थानी सिनेमा का पहला विश्वकोश तैयार किया है। राजस्थानी सिनेमा की 80 वर्ष की यात्रा का प्रामाणिक दस्तावेज बनाने और उसकी विरासत को संरक्षित करने के के उनकी लगन तथा अनथक व समर्पित प्रयासों व सिने जगत में उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान को रेखांकित करते हुए जिफ उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित करेगा।

ज्ञानवापी परिसर के व्यास तहखाने में मिली पूजा की इजाजत

वाराणसी (हिंस)। जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में हिंदू पक्ष को पूजा की इजाजत दे दी है। जिला जज डॉ. अजयकृष्ण विश्वेश ने बुधवार को इसके लिए आदेश जारी किया। इस मामले में मंगलवार को ही दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी। जिला जज ने अपना फैसला आज के लिए सुरक्षित रखा था। वादी शैलेंद्र व्यास ने अपनी याचिका में कहा है कि उनके नाना सोमनाथ व्यास का परिवार 1993 तक तहखाने में नियमित पूजा-पाठ करता था। वर्ष 1993 से तहखाने में पूजा-पाठ बंद हो गई। वर्तमान में

यह तहखाना अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के पास है। तहखाने को डीएम की निगरानी में सौंपने के साथ वहां दोबारा पूजा शुरू करने की अनुमति दी जाए। अदालत के 17 जनवरी के आदेश के बाद डीएम ने 24 जनवरी को तहखाने को अपने अधिकार में ले लिया था। इस पर प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतजामिया ने आपत्ति जताते हुए तर्क दिया था कि 17 जनवरी के आदेश में अदालत ने केवल रिसीवर नियुक्त करने का जिक्र किया है।

संयुक्त किसान मजदूर मोर्चा ने 16 फरवरी को भारत बंद का किया आह्वान

फतेहाबाद (हिंस)। रोजी-रोटी, शिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार और खेती संकट के समाधान के लिए नीतियों में जनपक्षीय बदलाव जरूरी है। नीतियों में जनपक्षीय बदलाव के लिए संयुक्त किसान मजदूर मोर्चा, तमाम ट्रेड यूनियनों और ट्रांसपोर्ट ने 16 फरवरी को राष्ट्रीय स्तर पर भारत बंद का आह्वान किया है। यह निर्णय बुधवार को संयुक्त किसान मजदूर मोर्चा के जिला संयोजक जगतार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संयुक्त मीटिंग में लिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर भारत बंद को लेकर संयुक्त किसान मजदूर मोर्चा 10 फरवरी को पटवार भवन फतेहाबाद में जिला स्तरीय संयुक्त कन्वेंशन करेगा। बैठक में भाजपा सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की है। बैठक में वक्ताओं ने मोदी सरकार अपने चहेते कार्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए देश की जनता की जेबों पर डाका डालने, महंगाई और बेरोजगारी का समाधान न करने और कृषि संकट का समाधान करने की बजाए इसे और ज्यादा गहरा करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही फैमिली आईडी के नाम पर विधवा, विकलांग, बुजुर्गों और बच्चों को परेशान करने का भी आरोप लगाया। इन तमाम मुद्दों को लेकर 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया गया है।

सरस्वती पूजा और वेलेंटाइन डे 14 फरवरी को, तैयारियां जोरों पर

रांची (हिंस)। विद्या की देवी मां सरस्वती और वेलेंटाइन दे इस बार 14 फरवरी को एक साथ मनाया जाएगा। 57 सालों में तीसरी बार ऐसा अनूठा संयोग मिल रहा है जब मां वीणा वादिनी की आराधना के साथ वेलेंटाइन दे एक ही दिन पड़ रहा है। मां सरस्वती की पूजा की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। गली-मोहल्लों में चंदा काटते बच्चों की टोली का उत्साह देखते ही बन रहा। सहयोग राशि के लिए घर-घर चंदे का रशीद पहुंच रहा है। शिल्पकारों के यहां बड़ी-छोटी मां की प्रतिमा को आकार देने में जुटे हुए हैं। पंडित रामदेव पांडेय ने इस संबंध में बताया कि इससे पहले 1967 और 2013 में 14 फरवरी को ही बसंत पंचमी का शुभ मुहूर्त मिला था। तीसरी बार 2024 में ऐसा शुभयोग बना है। उन्होंने बताया कि वैसे तो पंचमी तिथि 13 फरवरी को दिन के 02:41 मिनट से प्रारंभ हो जाएगी, जो दूसरे दिन बुधवार को दोपहर 12:09 मिनट तक रहेगी। अत: उदया तिथि के अनुसार, 14 फरवरी को बसंत

पंचमी का त्योहार मनाना शास्त्र सम्मत होगा। उन्होंने बताया कि उदया तिथि मिलने से दिनभर पूजन किया जा सकता है लेकिन सुबह सात बजे से दोपहर 12:35 मिनट तक अमृत सिद्धि योग है। अत: इस बीच माता सरस्वती की पूजा-अर्चना और अराधना करना ज्यादा श्रेष्कर होगा। बसंत पंचमी पर शुभ कार्य शुरू करने का सुनहरा अवसर होता है। सनातनी इस दिन गृहप्रवेश, नया व्यवसाय, महत्वपूर्ण परियोजनाएं की शुरूआत तो करते ही हैं, शादी-विवाह की धूम भी रहती है। बच्चों को अक्षर ज्ञान कराने के लिए भी लोग इस दिन का इंतजार करते हैं। बसंत पंचमी के साथ ही वसंत ऋतु की शुरुआत भी होती है, जो फसलों और कटाई के लिए एक अच्छा समय होता है। कड़ाके की ठंड के बाद इस त्योहार को वसंत का पहला दिन, फसल काटने का समय माना जाता है। बसंत पंचमी मां सरस्वती का प्रकाट्य दिवस है। इस दिन विद्यादायनी मां की विशेष पूजा का विधान है। मां विद्या और बुद्धि की देवी हैं। माना जाता है कि बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की आराधना से विद्या, बुद्धि, कला और ज्ञान का वरदान सहज मिल जाता है। इसी भाव से शिक्षण संस्थानों के साथ घरों और चौक-चौराहों पर मां की प्रतिमा विराजमान कर नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना की जाती है। लोग बाग इस दिन पीले रंग के कपड़े पहन कर पीले फूलों से मां की पूजन करते हैं।

एलन मस्क को झटका, टेस्ला से मिले 4.65 लाख करोड़ रु. के मुआवजा पैकेज को कोर्ट ने बताया बहुत ज्यादा

डेलावेयर (अमेरिका) ।

एलन मस्क को अमेरिका की डेलावेयर कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 44 बिलियन पाउंड की डील को रद्द करने का फैसला सुनाया है। मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने 2018 में 55.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर (44 बिलियन पाउंड) का भुगतान सौदा किया था। टेस्ला की इस डील के खिलाफ शेयरधारक ने मुकदमा दायर कर दावा किया था कि कंपनी की तरफ से अधिक भुगतान किया गया है। न्यायाधीश कैथलीन मैककॉर्मिक ने डेलावेयर कोर्ट में अपने फैसले में कहा कि टेस्ला बोर्ड की तरफ से वेतन पैकेज को दी गई मंजूरी त्रुटिपूर्ण है।

अदालत के फैसले से भड़के मस्क का बयान – फैसले के बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म– एक्स पर लिखा कि कभी भी कंपनियों को डेलावेयर में कारोबार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फैसला लेने के लिए अगर शेयरधारकों को प्राथमिकता दी जाएगी तो नेवादा या टेक्सास में कारोबार करना चाहिए। इसे लगभग 50 लाख लोग देख चुके हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोल भी किया, जिसमें मस्क ने सवाल किया कि क्या टेस्ला को अपना मुख्यालय टेक्सास शिफ्ट कर लेना चाहिए। दो घंटे के भीतर 3.82 लाख लोगों ने वोट किया। 14 हजार से अधिक एक्स यूजर्स इसे लाइक कर चुके हैं, जबकि यह पोस्ट 30 लाख से अधिक लोगों ने देखी।

लगभग 4.65 लाख करोड़ रुपये का मुआवजा पैकेज बहुत ज्यादा – टेस्ला की इस डील से जुड़ी एक रिपोर्ट में बीबीसी ने बताया कि कॉरपोरेट इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा सौदा था। इस डील के बाद मस्क को दुनिया का सबसे अमीर शख्स बनने में काफी मदद मिली थी। डेलावेयर कोर्ट में लगभग एक सप्ताह चली सुनवाई के दौरान टेस्ला के निदेशकों ने बचाव में कई तर्क दिए, लेकिन डेलावेयर कोर्ट ने इन तर्कों को सिरे से खारिज कर दिया। टेस्ला के मुताबिक डील इसलिए की गई थी क्योंकि दुनिया के शीर्ष उद्यमियों में शुमार मस्क एक कंपनी पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे। कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद कहा कि टेस्ला की तरफ से दिया गया लगभग 4.65 लाख करोड़ रुपये का मुआवजा पैकेज बहुत ज्यादा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत अपने पड़ोसियों से साझा करेगा पीएम-गतिशक्ति, यूएस के बदनाम बाजारों की सूची में छह भारतीय नाम भी

नई दिल्ली । भारत प्रधानमंत्री गतिशक्ति पहल को कुछ पड़ोसी देशों के साथ मुफ्त में साझा करेगा क्योंकि यह बुनियादी ढांचा योजना उपकरण परियोजनाओं के प्रभावी नियोजन और कार्यान्वयन में मदद कर रहा है। सरकार के एक बड़े अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पीएम गतिशक्ति की शुरुआत रसद लागत को कम करने के लिए एक एकीकृत बुनियादी ढांचे को विकसित करने के उद्देय से की गई थी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने सात देशों में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) शुरू किया है, इसी तरह देश पीएम गतिशक्ति की क्षमता का भी प्रदर्शन करना चाहता है। सिंह ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हम पीएम गतिशिक्त का प्रदर्शन करना चाहते हैं और इसे अपने कुछ पड़ोसी देशों व वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों को मुफ्त में प्रदान करना चाहते हैं। दुनिया के 'बदनाम' बाजारों की सूची में भारत के तीन ऑफलाइन और तीन ऑनलाइन बाजार अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधियों की 'बदनाम' बाजारों की जारी सूची में नयी दिल्ली सहित तीन शहरों के तीन भारतीय बाजार और तीन ऑनलाइन बाजार शामिल हैं। इस सूची में चीन पहले स्थान पर बना हुआ है। अमेरिका की 2023 बदनाम बाज़ार सूची में 33 बाजारों और 39 ऑनलाइन बाजारों को चिह्नित किया गया है। इनके बारे में बताया गया है कि ये बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कॉपीराइट उल्लंघन में शामिल हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं। ये तीन भारतीय बाजार हैं- मुंबई में हीरा पन्ना, नयी दिल्ली में करोल बाग का टैंक रोड और बेंगलुरु में सदर पटरप्पा रोड मार्केट हैं। इस सूची में शामिल हुए ऑनलाइन भारतीय बाजारों में इंडियामार्ट, वेगामूवीज और डब्ल्यूएचएमसीएस स्मार्टर्स हैं। अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने कहा, नकली और जालसाजी वाली वस्तुओं का कारोबार श्रमिकों, उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचाता है। अंततः अमेरिकी अर्थव्यवस्था को इससे नुकसान होता है। सूची के अनुसार, चिह्नित 33 बाजारों और 39 ऑनलाइन बाजारों के बारे में बताया गया है कि वे बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कॉपीराइट चोरी में शामिल हैं या उसे बढ़ावा देते हैं। इसमें चीन के ई-कॉमर्स और सोशल कॉमर्स बाजारों ताओबाओ, वीचैट, डीएचगेट, और पिनडुओडुओ के साथ-साथ क्लाउड स्टोरेज सेवा बाइडू वांगपैन को रखा है। सूची में शामिल बाजारों में चीन के सात बाजार शामिल हैं जो नकली सामानों के निर्माण, वितरण और बिक्री के लिए बदनाम हैं।

एआई को बड़े पैमाने पर लागू करना है : सत्या नडेला

नई दिल्ली। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने कहा, एआई-फर्स्ट स्टार्ट-अप और

दुनिया की कुछ सबसे बड़ी कंपनियों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, माइक्रोसॉफ्ट पूरे डेटा और टेक स्टैक में एआई के पावर को एकीकृत कर रहा है। 2,30,000 से ज्यादा संगठन पहले ही पावर प्लेटफॉर्म में एआई क्षमताओं का उपयोग कर चुके हैं, जो तिमाही दर तिमाही 80 प्रतिशत से ज्यादा है, और संगठन माइक्रोसॉफ्ट 365 के लिए कोपायलट को तैयार कर सकते हैं या अपने खुद के लिए कस्टम कोपायलट बना सकते हैं। नडेला ने कंपनी की अर्निंग कॉल के दौरान एनालिस्ट को बताया, इसका उपयोग पहले से ही 10,000 से अधिक संगठनों द्वारा किया जा रहा है, जिनमें एन पोस्ट, हॉलैंड अमेरिका, पीजी एंड ई शामिल हैं। उदाहरण के लिए, कुछ ही हफ्तों में, पेपाल और टाटा डिजिटल दोनों ने आम कर्मचारियों के सवालों का जवाब देने, प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और समर्थन लागत कम करने के लिए कोपायलट का निर्माण किया। सबूतों के बढ़ते समूह से यह स्पष्ट हो जाता है कि काम में बदलाव लाने में एआई की भूमिका होगी। नडेला ने कहा, हमारी रिसर्च, एक्सटर्नल स्टडीज, वर्क टास्क के लिए जेनरेटर एआई का उपयोग कर प्रोडक्टिविटी में 70 प्रतिशत तक सुधार दिखाते हैं और यह कुल मिलाकर माइक्रोसॉफ्ट 365 यूजर्स के लिए शुरूआती कोपायलट सर्चिंग, राइटिंग और समरी जैसे टास्क की सीरीज में 29 प्रतिशत तेज था। उन्होंने आगे कहा, हम यह भी देख रहे हैं कि एटलसियन, म्यूरल और ट्रेलो जैसे आईएसवी के साथ कोपायलट इकोसिस्टम उभरना शुरू हो गया है। साथ ही एयर इंडिया, बायर और सीमेंस जैसे कस्टमर्स ने बिजनेस की विशिष्ट लाइनों के लिए प्लग-इन बनाए हैं जो कोपायलट की क्षमताओं का विस्तार करते हैं।

बीमा, फिनटेक, एमएसएमई ग्रीन एनर्जी और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को बजट से ये उम्मीदें, ये बोले जानकार

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2023 को बजट पेश करेंगी। ऐसे तो ये अंतरिम बजट है पर चुनावी साल को देखते हुए बाजार के विभिन्न तबकों की बजट से अपनी-अपनी अपेक्षाएं हैं। बीमा, एमएसएमई, ग्रीन एनर्जी और फिनटेक सेक्टर के दिग्गजों ने से उम्मीदों पर अपनी-अपनी राय दी है।

बीमा क्षेत्र – श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर अजीत बनर्जी ने कहा कि इस बार बजट में आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के अलावा अलग-अलग कर कटौती की पेशकश करना जीवन बीमा उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य कदम होगा क्योंकि यह उद्योग लंबे समय से इसका अनुरोध रहा है। इसके परिणामस्वरूप जीवन बीमा की पैठ बढ़ेगी जिससे सरकार आईआरडीएआई के सभी के लिए बीमा के जनादेश को अधिक गति से पूरा करने में सक्षम होगी। एक और चीज जो जीवन बीमा को काफी बढ़ावा देगी, वह है वार्षिकी आय पर कर हटाना। इससे हमें एक पेंशनभोगी समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है, जिसमें अधिक लोग वार्षिकी का विकल्प चुन सकेंगे और अपने आखिरी वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

ग्रीन एनर्जी – जैक्सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक समीर गुप्ता के अनुसार भारत ऊर्जा के क्षेत्र में स्वतंत्रता और जलवायु संरक्षण की दिशा में प्रयास कर रहा है, नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में तेजी लाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जैक्शन ग्रीन बजट से ऐसे फैसलों की उम्मीद करता है जो स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया को तेज और अधिक लागत प्रभावी बनाएं। उन्होंने कहा कि सोलर मॉड्यूल पर 40 प्रतिशत बेसिक कस्टम्स ड्यूटी को कम करना या माफ करना डेवलपर्स के लिये लागत को काफी कम करेगा और प्रोजेक्ट व्यवहार्यता को बढ़ावा देगा। यह त्वरित कार्रवाई सौर क्षमता वृद्धि में तेजी लाएगी और भारत के स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया को गति देगा।

एमएसएमई सेक्टर – ओएनडीसी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि इस वर्ष का बजट देश भर में छोटे स्टार्टअप, बड़े व्यवसायों के ओएनडीसी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा। भारत समावेशी डिजिटलीकरण और उच्च विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का पीछा कर रहा है, हम व्यापार करने को आसान बनाने के लिए सरकार से और कदम

उठाने की उम्मीद करते हैं, विशेष रूप से छोटे उद्यमों के लिए जो डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पीएम गतिशक्ति और राष्ट्रीय रसद नीति जैसी पहलों के माध्यम से लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे का चल रहा आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण प्रशंसनीय है। मजबूत लॉजिस्टिक्स विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप्स को भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा बनाए गए अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने में सक्षम करेगा। बजट में, हम वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में अधिक सरलीकृत संचालन और कर अनुपालन की उम्मीद करते हैं। हमें विश्वास है कि सरकार उभरते व्यापार मॉडल के लिए नियामक अनुपालन आवश्यकताओं में सुधार करना जारी रखेगी जो डीपीआई पर निर्भर करते हैं। अंत में, हम छोटे व्यवसायों और उपभोक्ताओं को समान रूप से डिजिटाइज़ करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहनों की सराहना करते हैं। हम छोटे शहरों, कस्बों और गांवों सहित देश भर में डिजिटलीकरण में तेजी लाने के लिए आगे की योजनाओं की उम्मीद करते हैं।

ग्रामीण उद्यमियों की मदद के लिए उठाए जाएं कदम – भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट के अनुसार वर्तमान अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों को देखते हुए बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) पर रणनीतिक रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। उद्यम पंजीकरण पोर्टल के अनुसार, एमएसएमई क्षेत्र, कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार पैदा करने वाला क्षेत्र है, जिसने 1 जुलाई, 2020 से 1 अगस्त, 2023 के बीच 12,36,15,681 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया है। इसका महत्व समझते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने विभिन्न योजनाएं लागू की है, जिनमें ऋण सहायता, नए उद्यम विकास, फॉर्मलाइजेशन, तकनीकी सहायता, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, कौशल विकास और बाजार की सहायता आदि शामिल हैं। ग्रामीण उद्यमियों को उनकी डिजिटल क्षमताएं बढ़ाने में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। ग्रामीण एमएसएमई वास्तव में अप्रयुक्त क्षमता के भंडार हैं, जिनका प्रयोग होने पर, देश को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने में मदद मिलेगी। इन्हें 2-3 प्रतिशत की ब्याज छूट दी जानी चाहिए या 25 लाख रुपये तक की क्रेडिट सीमा वाली मैन्यूफेक्चरिंग माइक्रो यूनिट्स के लिए स्वीकृत ऋण के 5-10 प्रतिशत की बैंक-एंड कैपिटल सब्सिडी जैसे लाभ पर विचार किया जाना चाहिए।

ऑटो सेक्टर – जूमकार के सीईओ और सह-संस्थापक ग्रेग ने कहा कि पिछले साल के बजट ने भारत में ईवीएस को अधिक अपनाने पर जोर दिया था जिसके परिणामस्वरूप अधिक हरित और स्मार्ट विकल्प तैयार करने का दौर शुरू हुआ। भारत बाजारों और डिजिटलीकरण के उदय के साथ, इस दिशा में ऐसा पहला राष्ट्र बन रहा है जो विश्व स्तर पर उच्च मानक भी स्थापित कर रहा है। केंद्रीय बजट 2024 के बारे में हमारा अनुमान है कि यह ऐसे अभिनव नीतियों का मार्ग प्रशस्त करेगा जो टिकाऊ गतिशीलता से जुड़े समाधानों में तेजी लाएगा और आर्थिक लचीलापन बढ़ाएगा।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर – द हॉस्टलर यात्रा के संस्थापक और सीईओ प्रणव डांगी ने बताया कि पर्यटन और आतिथ्य उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। यह जानते हुए, भारत सरकार ने पिछले बजटों में हवाई, सड़क और ट्रेनों बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए विकास पर अधिक जोर दिया था। इस बजट में सरकार से यह उम्मीद की जा रही है कि वह इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार के लिए आगे बढ़ेगी और उद्योग के समग्र विकास की गति बनाए रखेगी।

2024-2025 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान, इस साल 3.1 फीसदी रह सकती है वैश्विक जीडीपी की वृद्धि दर

वाशिंगटन ।

अतंरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा दावा किया है। आईएमएफ के अनुसार, आने वाले दो साल 2024 और 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी। भारत में विकास मजबूत रहेगी। आईएमफ ने बताया कि भारत का विकास दर चीन से भी आगे भी रहेगा। वैश्विक संस्था के मुताबिक, विकासशील देशों की सूची में भारत आने वाले वर्षों में सबसे मजबूत रहेगा। दरअसल, आईएमएफ ने 'विश्व आर्थिक आउटलुक' रिपोर्ट जारी किया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का विकास आने वाले दो साल मजूबत रहेगा। 2024 और 2025 में भारत का विकास दर 6.5 रहने का अनुमान है। एक दिन पहले ही जारी हुई रिपोर्ट भारत को राहत दे सकती है। वैश्विक स्तर पर बात करें तो रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक विकास 2025 में 3.1 तो वहीं यह विकास दर अगले साल 2025 में बढ़कर 3.2 फीसदी हो जाएगा। वहीं, भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन आंकड़ों में भारत से काफी पीछे है। आईएमएफ के अनुसार, 2024 में चीन का विकास दर 4.6 प्रतिशत तो 2025 में 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ के आंकड़ों की मानें तो चीन को 2025 में झटका लग सकता है। वहीं, विश्व की सबसे मजबूत और बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका का विकास दर भी रिपोर्ट में गिरने का अनुमान है। अमरिका का विकास दर जो 2023 में 2.5 प्रतिशत थी, वही विकास दर 2024 में 2.1 प्रतिशत तो वहीं 2025 में मात्र 1.7 प्रतिशत ही रह जाएगी। रिपोर्ट के आंकड़े अमेरिका के लिए थोड़ा डराने वाले साबित हो सकते हैं। आईएमएफ के प्रमुख अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचास ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट से साफ होता है कि भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक तेजी से बढ़ने वाला देश है। बादल अब छंटने लगे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था सफल लैंडिंग की ओर है। महंगाई धीरे-धीरे कम हो रही है तो वहीं विकास और बढ़ोत्तरी रफ्तार पकड़ने वाली है।

ऑफिस के पास लो घर या छोड़ दो कंपनी! आईबीएम ने कंपनी प्रबंधकों के नाम जारी किया नया फरमान

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर कंपनी आईबीएम ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे सभी आईबीएम प्रबंधकों के नाम एक मेमो जारी किया है। इस मेमो में आईबीएम प्रबंधकों को ऑफिस या क्लाइंट लोकेशन में रिपोर्ट करन के लिए कहा गया है। वर्तमान वर्क लोकेशन की फिक्र किए बगैर आईबीएम प्रबंधकों को एक हफ्ते में तीन दिन रिपोर्ट करने का फरमान जारी हुआ है।

ऑफिस से दूर रहकर नहीं होगा अब काम

एक रिपोर्ट की मानें तो कंपनी की ओर से इस तरह का मेमो उन प्रबंधकों को जारी हुआ जो रिमोटली यानी बिना ऑफिस आए काम करते हैं। ये प्रबंधक ऑफिस की लोकेशन से कुछ दूर रहते हैं। यही वजह है कि कंपनी ने प्रंबधकों को ऑफिस के पास रिलोकेट होने को कहा है। आईबीएम प्रबंधकों को इसके लिए कंपनी की ओर से टाइम लिमिट भी दी गई है। इस मेमो में साफ कहा गया है कि इस वर्ष अगस्त की शुरुआत से ही प्रबंधकों को कंपनी के फरमान पर अमल करना होगा। कंपनी ने कहा है कि अगर कंपनी प्रबंधकों ने कंपनी के इस फरमान पर अमल नहीं किया तो उन्हें

इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। कंपनी ने साफ कहा है कि ऐसे प्रबंधक कंपनी का हिस्सा भविष्य में बने नहीं रह सकते। यानी ऐसे प्रबंधकों को कंपनी छोड़नी होगी। कंपनी ने अपने प्रबंधकों को यह मेमो 16 जनवरी को इशू किया है। कंपनी ने क्यों जारी किया नया फरमान दरअसल, आईबीएम एक ऐसा वर्किंग एनवायरमेंट देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां काम को लेकर लचीलापन बना रहे। इसी के साथ कंपनी चाहती है कि काम को लेकर आमने-सामने की बातचीत हो, ताकि बेहतर उत्पादन हो सके। इसी के साथ कंपनी अपने कस्टमर्स को बेहतर सर्विस देने के लक्ष्य पर काम कर रही है।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने की इंडस ऐपस्टोर इमर्जिंग स्टार्टअप अवार्ड्स के लॉन्च की घोषणा

नई दिल्ली।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से इंडस ऐपस्टोर इमर्जिंग स्टार्टअप अवार्ड्स के लॉन्च की घोषणा की। 16 जनवरी से 30 मार्च 2024 तक चलने वाली यह पहल फिनटेक, ई-कॉमर्स, सामाजिक प्रभाव, हेल्थटेक, एग्रीटेक और गेमिंग सहित कई अहम सेक्टर्स में सबसे इनोवेटिव और प्रभावशाली स्टार्टअप की पहचान करेगी। इंडस ऐपस्टोर इमर्जिंग स्टार्टअप अवार्ड्स, भारत में उभरते स्टार्टअप के लिए एक समान अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे उन्हें ग्लोबल प्लेयर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलती है। यह इंडियन एंटरप्रेन्योरशिप को ग्लोबल स्टेज पर सबसे आगे लाने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। इंडस ऐपस्टोर के सह-संस्थापक व सीपीओ आकाश डोंगरे ने कहा, हम इंडस ऐपस्टोर इमर्जिंग स्टार्टअप अवार्ड्स के लिए स्टार्टअप इंडिया के साथ सहयोग कर रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य वाइब्रेंट इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है, जहां इंडियन एंटरप्रेन्योर्स आगे बढ़ सकें और ऐसे समाधान तैयार कर सकें जो हमारे अनोखे बाजार को पूरा करती हो। उन्होंने कहा, अवॉर्ड्स केवल टैलेंट को पहचानने के बारे में नहीं हैं, वे भारत के निर्माण के लिए स्टार्टअप को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। हमारा मानना है कि ये

अवॉर्ड्स इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और भारतीय स्टार्टअप लैंडस्केप में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। अवॉर्ड्स का उद्देश्य उन स्टार्टअप्स की पहचान करना और उनकी सराहना करना है जो असाधारण इनोवेशन, विकास की क्षमता और बाजार पर पॉजिटिव प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, रजिस्टर्ड स्टार्टअप, कम से कम एक साल से परिचालन कर रहे हैं, और उनके एप्लिकेशन इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं, भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस पहल में 12 लाख रुपये का प्राइज पूल है, जिसमें प्रत्येक कैटेगिरी में विजेता को 2 लाख रुपये आवंटित किए जाते हैं। स्टार्टअप इंडिया की प्रमुख आस्था ग्रोवर ने कहा, इनोवेशन को अपनाने वाले स्टार्टअप बाजार की अस्थिरता के अनुकूल ढलने, नए ट्रेंड्स की पहचान करने और उभरते व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। वे चुस्त, मजबूत और बाजार की जरूरतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं, जिससे उन्हें अपने समकक्षों की तुलना में महत्वपूर्ण लाभ मिलता है। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से, फोनपे का इंडस ऐपस्टोर कुछ बेहतरीन और सबसे प्रतिभाशाली इनोवेटर्स को पहचान रहा है जो स्टार्टअप परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखते हैं।

डिजिटल होंगे कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, बढ़ेगी ग्रामीण विकास बैंकों की दक्षता

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 225 करोड़ रुपये की लागत से कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों के साथ सहकारी समितियों के पंजीयक के लिए कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण से उनकी दक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही में सुधार होगी। साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकेगा।

सहकारिता के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का मजबूत तंत्र खड़ा किया जा सका है। सहकारिता क्षेत्र डिजिटल दुनिया में जाने के लिए तैयार है। मौके पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा भी मौजूद थे।

डिजिटल माध्यम से भी गांवों तक पहुंचेगी सहकारिता

अमित शाह ने कहा कि डिजिटल माध्यम से सहकारिता भी गांवों तक पहुंचने लगी है। सहकारी समिति के रजिस्ट्रार कार्यालय एवं कृषि तथा ग्रामीण

विकास बैंकों के कंप्यूटराइजेशन के जरिए पैक्सों के साथ पूरी सहकारिता व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। इससे विभिन्न राज्यों की स्थानीय भाषाओं में संवाद हो सकेगा। साथ ही ऋण लेने वाले किसानों के लिए सरल सुविधा की शुरुआत होगी। अमित शाह ने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों पर ध्यान नहीं देने के कारण ये अपनी भूमिका अच्छे तरीके से नहीं निभा पाए हैं। मध्यम और दीर्घकालीन ऋण के लिए यह उपयोगी व्यवस्था है जो आधुनिक खेती की ओर जाने के लिए किसान को पूंजी उपलब्ध कराती है। अगर हम खेती को आधुनिक नहीं बनाएंगे तो न हम उपज बढ़ा पाएंगे और न ही किसानों को समृद्ध कर पाएंगे।

1851 बैंकों की शाखाओं का कंप्यूटराइजेशन

देश के 13 राज्यों के 1851 कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों की शाखाओं का कंप्यूटराइजेशन होने से इनसे जुड़े एक करोड़ 20 लाख किसानों को बहुत फायदा होगा। इन शाखाओं को एक कामन नेशनल साफ्टवेयर के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ने का लक्ष्य है। इससे सभी प्रकार के कृषि ऋण का लिकेज मजबूत हो सकेगा। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के दस वर्ष के दौरान गांव, गरीब और किसानों के लिए दो महत्वपूर्ण काम हुए हैं। देश के करोड़ों गरीबों का जीवनस्तर बेहतर हुआ है। लगभग 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। सहकारिता के जरिए करोड़ों लोगों को स्वरोजगार के साथ जोड़ने का मजबूत तंत्र खड़ा हुआ है। राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम से राज्यों, तहसील, जिला और ग्रामस्तर पर सहकारिता की जानकारी मिल सकेगी। विस्तृत विजन के साथ मोदी सरकार के दो कदम-डिजिटल इंडिया और सहकारिता मंत्रालय की स्थापना-समृद्ध गांवों की नींव डालने वाले एवं विकसित भारत के सोच को जमीनी स्तर तक ले जाने वाले साबित होंगे। अमित शाह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार ने सहकारिता में डिजिटल इकोसिस्टम बढ़ाने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया है। अलग सहकारिता मंत्रालय बनने के तुरंत बाद सबसे पहले 65 हजार पैक्स एवं राज्य सहकारी बैंकों का कंप्यूटराइजेशन किया गया।

उम्मीद से कम मार्जिन के कारण एलएंडटी के शेयरों में 4 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। उम्मीद से कम मार्जिन के कारण मुनाफे के अनुमान से चूकने के बाद लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। बीएसई पर एलएंडटी के शेयर 4.4 फीसदी गिरकर 3472 रुपए पर थे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि एलटी का वित्त वर्ष 2024 का तीसरी तिमाही राजस्व हमारे अनुमानों से बेहतर रहा, लेकिन उम्मीद से कम मार्जिन के कारण शुद्ध लाभ में कमी आई। एलएंडटी को विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक क्षेत्रों से मजबूत प्रवाह से लाभ हो रहा है, और उसे अपने मुख्य ईएंडसी सेगमेंट के लिए वित्त वर्ष 2024 में 9 महीनों के दौरान 1.8 ट्रिलियन रुपए के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने मेगा और अल्ट्रा-मेगा परियोजनाओं पर अपना फोकस रखा है और कार्यशील पूंजी को बिक्री के 16.6 फीसदी तक बढ़ाने में सक्षम रही है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने ऑर्डर निष्पादन और नए ऑर्डर अभी भी मार्जिन पहचान सीमा तक नहीं पहुंच पाने के कारण मार्जिन अभी भी नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया, उम्मीद है कि एलएंडटी को भारत और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्थानों पर मजबूत बाजार से लाभ मिलता रहेगा। हम बेहतर प्रवाह और कम मार्जिन के लिए अपने अनुमानों को संशोधित करते हैं। मार्जिन कम होने के बावजूद, हमारा उच्च गुणक लगातार बेहतर हो रही संभावना पाइपलाइन और एनडब्ल्यूसी और आरओई में सुधार को ध्यान में रखता है।

खराब फॉर्म से जूझ रहे लाबुशेन को मिला क्लार्क का समर्थन

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने मार्नस लाबुशेन की बल्लेबाजी में तकनीकी बदलाव को देखा है और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज को इसे सुधारने और न्यूजीलैंड दौरे पर स्कोरिंग की राह पर लौटने का समर्थन किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 1-1 से ड्रा हुई टेस्ट सीरीज में लाबुशेन का समय बहुत खराब रहा, उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 19 रन बनाए। कुल मिलाकर 226 रन बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया टेस्ट समर के लिए उनका औसत 28.25 है। इसके अलावा, उन्होंने अपने पिछले 18 टेस्ट मैचों में सिर्फ एक शतक और छह अर्धशतक बनाए हैं। क्लार्क ने कहा, केवल एक चीज जो मैं तकनीकी रूप से देख सकता हूं, वह यह है कि वह अपने दाहिने कंधे को थोड़ा ऊपर उठाता दिख रहा है। इसलिए मुख्य रूप से गेंदें जो कि बैक-ऑफ-ए-लेंथ हैं, वास्तव में साइड ऑन रहने के बजाय जैसे वह करता है और बैक-फुट गेंद को कवर करने या पॉइंट करने के लिए बचाव करता है, या यहां तक कि उसे अपने पैरों पर गिराता है, वह बस थोड़ा सा ऊपर कर रहा है और यही कारण है उसे परेशानी हो रही है। क्लार्क ने अराउंड द विकेट शो में कहा, आप लाबुशेन को नजरअंदाज नहीं कर सकते। वह नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर रहा है, जो टेस्ट क्रिकेट में सबसे कठिन स्थानों में से एक है। अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हैं और सबसे ज्यादा रन बनाते हैं तो आश्चर्यचकित न हों। लगभग हर शीर्ष श्रेणी का बल्लेबाज इस तरह के दौर से गुजरता है। ऑस्ट्रेलिया का अगला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला है, जो 29 फरवरी से शुरू होगी। पूर्व क्रिकेटर कैलम फर्ग्यूसन का मानना है कि जब ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लाबुशेन, स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा न्यूजीलैंड जाएंगे तो उनके लिए चुनौती बहुत बड़ी होगी। यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के अंतर्गत आने वाली श्रृंखला है। ऐसा मत सोचो कि मार्नस एकमात्र ऐसा खिलाड़ी है जो स्क्रायरिंग में कैच आउट हुआ है और यह कुछ विकेटों पर बल्लेबाजी का परिणाम हो सकता है जो गेंदबाजों के लिए अनुकूल हैं। आप बस थोड़ा सा फॉर्म से बाहर हो जाते हैं। न्यूजीलैंड पहुंचने से पहले उन्हें कुछ कड़ी मेहनत करनी होगी ताकि उनमें से कुछ को और अधिक टीम में शामिल किया जा सके, और बाद में टच खेलना शुरू किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

नॉटिंघम को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल, घरेलू मैदान पर 17 मैचों बाद हारा एस्टन विला

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मिकेल अर्टेटा की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उनकी कोचिंग में इस सीजन में आर्सेनल ने 22 में से 14 मैच जीते हैं। चार मुकाबले ड्रॉ रहे और इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अंक तालिका में लिवरपूल पहले स्थान पर है। उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेले हैं। लिवरपूल के 21 मैचों में 48 अंक हैं। यह आर्सेनल से दो अंक ज्यादा है। लिवरपूल 21 मैचों में 14 मुकाबलों में जीता है। उसके छह मैच ड्रॉ हुए हैं और एक में हार का सामना करना पड़ा है। अंक तालिका में तीसरे स्थान पर 43 अंकों के साथ मैनचेस्टर सिटी है। वहीं, न्यूकैसल के खिलाफ हार के बाद एस्टन विला चौथे पायदान पर है। उसके खाते में 43 अंक हैं। मैनचेस्टर सिटी ने 20 और एस्टन विला ने 22 मैच खेले हैं। जेसुस और साका ने आर्सेनल के लिए गोल किया आर्सेनल की जीत में ब्राजील के गैब्रियल जेसुस और इंग्लैंड बुकायो साका ने अहम भूमिका निभाई। जेसुस ने 65वें और साका ने 72वें मिनट में गोल किया। नॉटिंघम के लिए इकलौता गोल ताइवो अवोनियी ने 89वें मिनट में किया। दूसरी ओर, एस्टन विला का घरेलू मैदान पर फरवरी 2023 से नहीं हारने का सिलसिला टूट गया। न्यूकैसल ने उसे 3-1 से हराया। न्यूकैसल की टीम विला पार्क में 346 दिनों में मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई। एस्टन विला को अपने घरेलू मैदान पर पिछली हार आर्सेनल के खिलाफ मिली थी।

मेसी के गोल के बावजूद नहीं जीता इंटर मियामी, सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल ने हराया

रियाद । सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल ने बीते वर्ष लियोनल मेसी को अपने साथ जोड़ने के लिए जोर लगा दिया था। उसने मेसी के लिए अपने खजाने का मुंह पूरी तरह खोल दिया था, लेकिन मेसी ने अल हिलाल से जुडने की बजाय अमेरिकी क्लब इंटर मियामी से जुडना बेहतर समझा। उसी अल हिलाल क्लब ने मेसी के नए क्लब इंटर मियामी को 4-3 से पराजित कर दिया। मेसी की मौजूदगी और उनका गोल भी इंटर मियामी की हार नहीं बचा सके। इंटर मियामी इस वक्त सऊदी अरब के दौरे पर है, जहां उसे दो मैच खेलने हैं। अब मियामी का मुकाबला क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब अल नासेर से होगा, जिस पर सबकी निगाहे हैं। मेसी ने इंटर के लिए दूसरे हाफ में पेनाल्टी के जरिए गोल किया, लेकिन 88वें मिनट में मैल्कम ने अल हिलाल के लिए विजयी गोल किया। फुल्हम और न्यूकैसल के पूर्व स्ट्राइकर अलेक्जेंडर मित्रोविच ने अल हिलाल को 10वें मिनट में ही बढ़त दिला दी। तीन मिनट बाद अब्दुल्ला अल हमदान ने इस बढ़त को 2-0 कर दिया। मियामी के एक अन्य सुपरस्टार उरुग्वे के लुई सुआरेज ने स्कोर 1-2 किया, लेकिन माइकल ने 44वें मिनट में अल हिलाल की बढ़त फिर 3-1 कर दी।

निलंबित भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर भड़का खेल मंत्रालय, कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय और भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के बीच सबकुछ सही नहीं चल रहा है। खेल मंत्रालय ने निलंबित डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। दरअसल, मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई द्वारा सरकारी मान्यता के संबंध में बिल्कुल निराधार और शरारती दावे करने के बाद यह कदम उठाया है। उसने कहा कि संस्था द्वारा आयोजित किसी भी टूर्नामेंट को अस्वीकृत माना जाएगा। संजय सिंह ने दावा किया था कि लगभग 700 पहलवान 29-31 जनवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। यह बयान मंत्रालय को पसंद नहीं आया। उसने गठन के तीन दिन बाद ही डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। मंत्रालय ने संजय सिंह को संबोधित पत्र में कहा, आपके द्वारा डब्ल्यूएफआई की वर्तमान में निलंबित कार्यकारी समिति की मान्यता और पुणे में आपके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के बारे में कुछ दावे किए जा रहे हैं।

मयंक अग्रवाल के पानी में मिला था जहर क्रिकेटर ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली ।

भारतीय ओपनर और कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल को नई दिल्ली की फ्लाइट उड़ने से पहले बीमार पड़ने के कारण स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से क्रिकेट जगत हैरान है। भारतीय क्रिकेटर ने बेईमानी का आरोप लगाते हुए एक आधिकारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई।

मयंक अग्रवाल खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक मयंक ने एक पाउच से पेय पदार्थ पीया, जो उन्हें लगा कि पानी है। इंडिगो एयरलाइन्स में सफर के समय यह पाउच उनकी सीट पर रखा था। अग्रवाल ने अपने मैनेजर के जरिये पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले के तहत की शिकायत

एसपी वेस्ट त्रिपुरा किरण कुमार ने कहा, मयंक अग्रवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। वो अब स्थिर हैं और उनकी तबीयत भी बेहतर हैं। मगर उनके मैनेजर ने एनसीसीपीएस (न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स पुलिस स्टेशन) के अंतर्गत मामले की जांच के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

शीर्ष पुलिस अधिकारी ने साथ ही कहा, उनके मैनेजर ने कहा कि जब मयंक प्लेन में बैठे थे तो उनके सामने एक पाउच रखा था। उन्होंने थोड़ा बहुत इसमें से पीया, लेकिन अचानक ही उन्हें मुंह में जलन होने लगी और अचानक वो बात नहीं कर पा रहे थे। क्रिकेटर को आईएलएस अस्पताल में लाया गया। उनके मुंह में सूजन और छाले हैं। वैसे, उनकी हालत स्थिर है।

हम जांच करेंगे

राज्य स्वास्थ्य सचिव किरण ने कहा, पुलिस ने उनकी शिकायत स्वीकार कर ली है और हम मामले की जांच करेंगे कि क्या हुआ। क्रिकेटर के मैनेजर के मुताबिक मयंक अगले ही दिन बेंगलुरु जाएंगे और इस दौरान अगरतला में जो भी सर्वश्रेष्ठ उपचार होगा, हम उन्हें उपलब्ध कराएंगे।

अस्पताल का बयान

आईएलएस अस्पताल की तरफ से बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर मनोज कुमार देबनाथ ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा कि क्रिकेटर को मुंह में जलन और होठ पर सूजन का अनुभव हुआ। अस्पताल के सलाहकारों ने आपातकालीन में उनकी स्थिति का जायजा लिया और लगातार उन पर नजर बनाए हुए हैं।

कर्नाटक ने त्रिपुरा को रौंदा

भारत के लिए 21 टेस्ट खेलने वाले मयंक अग्रवाल की कप्तानी में कर्नाटक ने त्रिपुरा को रणजी ट्रॉफी मैच में 29 रन से मात दी।

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अधिकारी ने अपना नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया, मयंक अग्रवाल किसी प्रकार के खतरे में नहीं हैं। अगरतला के अस्पताल में वह निगरानी में हैं और डॉक्टर्स से अपडेट मिलने के बाद बेंगलुरु रवाना हो जाएंगे। वो 2 फरवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे। मगर इसके अलावा किसी अफवाह में सच्चाई नहीं है। वो ठीक हैं और हम डॉक्टर्स व अन्य राज्य अधिकारियों के संपर्क में हैं। मयंक अग्रवाल की गैरमौजूदगी में निकिन जोस कर्नाटक टीम की कप्तानी संभालेंगे।

मयंक अग्रवाल ने क्या पिया

इंडिगो ने बयान जारी करके मेडिकल आपातकाल के कारण को बढ़ाकर नहीं बताया। एयरलाइन की प्रेस रिलीज में कहा गया, इंडिगो फ्लाइट 6ई 5177 अगरतला से दिल्ली को मेडिकल आपातकालीन स्थिति में वापस लौटना पड़ा। यात्री को विमान से उतारा गया और मेडिकल सहायता के लिए अस्पताल ले जाया गया। विमान ने दोबारा अपने गंतव्य स्थान के लिए उड़ान भरी।

अग्रवाल के साथ जब घटना हुई तब उम्मीद थी कि वो पूरी टीम के साथ सूरत से दिल्ली जाएंगे। कर्नाटक को अपना अगला मैच सूरत में रेलवे के खिलाफ खेलना है। त्रिपुरा क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारी ने अपना नाम सामने नहीं लाने की शर्त पर कहा, टीम फ्लाइट में थी और तभी अग्रवाल को असहज महसूस हुआ और फ्लाइट में बैठे हुए कई बार उलटी हुई। चूकि उन्हें बीमारी महसूस हुई तो उन्हें फ्लाइट से उतार दिया गया। केएससीए से शाहवीर तारापोरे का फोन आया और हमने अपने दो प्रतिनिधियों को तुरंत आईएलएस अस्पताल भेजा। मयंक निगरानी में हैं और डॉक्टर्स कुछ टेस्ट कर रहे हैं। कई चीजें सामने आ रही हैं कि उन्होंने आखिर क्या पीया। कई सूत्रों ने कहा कि अग्रवाल ने संभवत: कुछ गलत पदार्थ पी लिया, जो पानी जैसा दिख रहा था, जिसके बाद वो असहज महसूस करने लगे।

जय शाह एसीसी के चेयरमैन बने रहेंगे

एक साल के लिए कार्यकाल बढ़ाया गया; एनुअल मीटिंग में हुआ फैसला

नई दिल्ली ।

जय शाह एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग में सर्वसम्मति से जय शाह का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया। इंडोनेशिया के बाली में एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग शुरू हुई, जो आज खत्म हुई। मीटिंग 2 दिन की थी। जय शाह ने 2021 में बांग्लादेश के नजमुल हसन की जगह यह पद संभाला था। एसीसी मीडिया राइट्स फिलहाल स्टार के पास एनुअल मीटिंग में एशिया के सभी क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों ने हिस्सा लिए। इसमें एसीसी मीडिया राइट्स पर भी फैसला लिया जाना था, लेकिन फैसला लिया गया या नहीं अब तक इसकी जानकारी नहीं है। जिसके तहत एशिया कप जैसा बड़ा टूर्नामेंट ब्रॉडकास्ट होता है। इसी में अंडर-23, अंडर-19 और विमेंस एशिया कप के मैच भी दिखाए जाते हैं। फिलहाल डिज्नी प्लस हॉटस्टार के पास डिजिटल और स्टार के पास ही टीवी राइट्स हैं। स्टार ने 8 साल पहले राइट्स खरीदे थे। एसीसी ने मीडिया राइट्स नीलामी के लिए सभी टॉप ब्रॉडकास्टर्स को डिनर पर इनवाइट भी किया है। एशिया कप के वेन्यू पर भी फैसला होगा मीटिंग में एशिया कप के अगले वेन्यू पर भी फैसला लिया जाना था। अब एशिया कप 2025 में होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में कराया जाना है। टूर्नामेंट होस्टिंग के लिए यूएई और ओमान रेस में हैं। 2023 का एशिया कप पाकिस्तान की मेजबानी में श्रीलंका और पाकिस्तान में हुआ था, जिसे भारत ने जीता था। यूएई और ओमान को एशिया कप की होस्टिंग मिलने में एक समस्या और भी है। टूर्नामेंट की मेजबानी फुल मेंबर एशियन बोर्ड को ही मिलती है और दोनों ही देश एसोसिएट नेशन हैं।

पैरा खेलों के विकास में केन्द्र सरकार की अहम भूमिका : कोच

नई दिल्ली ।

भारतीय पैरा-बैडमिंटन कोच गौरव खन्ना ने देश में पैरा खेलों के विकास का श्रेय मौजूदा सरकार को दिया है। प्रमोद भगत, रोहित भाकर, जैसी शीर्ष खिलाड़ियों के कोच खन्ना ने कहा कि केन्द्र सरकार पैरा खिलाड़ियों के लिए अभिभावक जैसी भूमिका निभा रही है। खन्ना ने कहा, '' मैं इस बात से बहुत संतुष्ट हूं कि पैरा खेलों में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसका श्रेय सरकार को जाता है। वह पैरा-एथलीटों पर काफी ध्यान दे रही है।'' उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने जाने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते है और सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित करते है। जब ये खिलाड़ी पदक जीत कर लौटते है तो वह उन्हें पार्टी देते है। वह उनके लिए एक अभिभावक की तरह हैं।''

गौरतब है कि भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने हांगझोउ एशियाई खेलों में 21 पदक जीते थे। भारतीय पैरा बैडमिंटन के सफल होने में कोच खन्ना की अहम भूमिका रही है। खन्ना बचपन से ही बैडमिंटन खिलाड़ी बनना चाहते थे लेकिन घुटने की सर्जर के बाद पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर खेल जारी नहीं रख पाये। उन्होंने हालांकि अपने जुनून का पालन किया और बैडमिंटन से जुड़े रहे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को कोचिंग देना शुरू किया। खन्ना ने अपने जुनून और समर्पण से पैरा-बैडमिंटन को देश में सुर्खियों में ला दिया हो, लेकिन यह कोई आसान काम नहीं था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें शून्य से शुरुआत करनी पड़ी। जमीनी स्तर पर एक मजबूत टीम बनाने में उत्तर प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री दिवंगत चेतन चौहान ने उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा, ''मुझे एहसास हुआ कि भारतीय पैरा-बैडमिंटन में कोई उचित या ठोस जमीनी स्तर की व्यवस्था नहीं है। मैंने कई लोगों से मदद मांगी। चेतन चौहान की मदद से लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज में इस खेल को शुरू किया। उन्होंने कहा, ''हमने खराब हालातों के बावजूद परिणाम देना शुरू किया और कुछ प्रायोजकों से मदद मिलने के बाद हम दूसरी जगह चले गए।'' लखनऊ में द्रोण पैरालंपिक हाउस की स्थापना के बाद चीजें ठीक हुई। यह स्थल अब पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन प्रशिक्षण स्थल के तौर पर उभरा है।

जीशान अली होंगे भारतीय टीम के गैर-खिलाड़ी कप्तान, डेविस कप में पाकिस्तान से है मुकाबला

नई दिल्ली ।

जीशान अली पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप टाई में कोच के साथ-साथ गैर-खिलाड़ी कप्तान की भी भूमिका निभाएंगे। पहले घोषित किए गए रोहित राजपाल निजी कारणों से टीम के साथ दौरे पर नहीं आए हैं। भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि जीशान अली को टीम का कप्तान घोषित किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करेगी।

विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ का मुकाबला 3-4 फरवरी को पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के ग्रासकोर्ट पर खेला जाएगा। भारतीय टीम ने पिछली बार 1964 में दौरा किया था तब टीम लाहौर में 4-0 से जीतने में सफल रही थी। उसके बाद 2019 में तटस्थ स्थल कजाखस्तान में खेले थे। टाई में भारत के शीर्ष एकल रैंकिंग के खिलाड़ी सुमित नागल की अनुपस्थिति में रामकुमार रामनाथन दल के प्रमुख खिलाड़ी होंगे। भारतीय टीम में यूकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी, निकी पोनाचा और साकेत माइनेनी हैं। जरूरत पड़ने पर यूकी भांबरी एकल में उतर सकते हैं। राष्ट्र अध्यक्ष जैसी सुरक्षा मुहैया कराई गई डेविस कप मुकाबले के लिए 60 साल में पहली बार पाकिस्तान पहुंची भारतीय टेनिस टीम के लिए इस देश की यात्रा करने वाले राष्ट्र अध्यक्ष जैसी सुरक्षा मुहैया कराई गई है। खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए लागू सुरक्षा योजना के तहत एक बम निरोधक दस्ता हर सुबह इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स की जांच करेगा। यही नहीं, यात्रा के दौरान भारतीय टीम दो एस्कार्ट वाहन की निगरानी में रहेगी।

पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) सुरक्षा पहलू पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। भारतीय खिलाड़ी ज्यादातर आयोजन स्थल और होटल तक सीमित रहेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति हालांकि थोड़ी कठिन हो सकती है। पीटीएफ अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ आईटीएफ द्वारा अनुमोदित सुरक्षा योजना का पालन कर रहा है।

भारतीय टीम के ऐतिहासिक दौरे से पाकिस्तान में खेलों का होगा बेड़ा पार, सात साल में पहली बार होगा ऐसा

नई दिल्ली ।

पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी नहीं मिलना का पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ है। अब टेनिस जगत को उम्मीद है कि भारतीय डेविस कप टीम के इस 'ऐतिहासिक मुकाबले' के लिए आने से देश में खेलों को बढ़ावा मिलेगा और दर्शकों की रूचि जगेगी। आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम 1964 में पाकिस्तान आई थी। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) इस साल भी टीम भेजना नहीं चाहता था लेकिन अंतरराष्ट्रीय आईटीएफ ने उसकी अपील खारिज करके साफ तौर पर कहा कि यह मानने का कोई कारण नहीं है कि भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी कोई मसला होगा।

लाहौर में मार्च 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हमले के बाद से पाकिस्तान में खेल गतिविधियां बाधित है। पाकिस्तान को विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों की मेजबानी नहीं मिल रही है।

पाकिस्तानी टेनिस महासंघ जूनियर आईटीएफ या सीनियर पुरुष फ्यूचर टूर्नामेंटों की भी मेजबानी नहीं कर सका है। महिला टीम का कोई टूर्नामेंट नहीं हुआ और 2017 के बाद से डेविस कप टीम भी यहां नहीं आई है।

पाकिस्तान में ऐसी है टेनिस की हालत - इससे पाकिस्तान टेनिस को काफी नुकसान हुआ है जो लोकप्रियता में क्रिकेट के आसपास भी नहीं है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल छोड़ना पड़ गया। हालात 2017 से बदलने शुरू हुए जब ईरान ने इस्लामाबाद टीम भेजी और 2021 में जापानी टीम पाकिस्तान आई। एटीपी टूर पर खेलने वाले पाकिस्तान के एकमात्र खिलाड़ी ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी इस मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के भी पाकिस्तान आने का रास्ता खुलेगा।

ऐसाम उल हक ने क्या कहा - ऐसाम ने कहा, हम काफी रोमांचित और खुश हैं कि आखिर डेविस कप यहां हो रहा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें राजनीति, धर्म और संस्कृति को खेलों से अलग रखना चाहिए। यह ऐतिहासिक मुकाबला है। मैं इसे लेकर काफी रोमांचित हूं। इससे पाकिस्तान में टेनिस को बढ़ावा मिलेगा। इसे लेकर काफी हाइप बन गई है। यहां सुरक्षा का कोई मसला नहीं है। अकील खान का मानना है कि यह मुकाबला बाकियों से अलग होगा। उन्होंने कहा, हम जापान और उजबेकिस्तान जैसी सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीमों से खेल चुके हैं लेकिन भारत की बात अलग है। भारतीय टीम के आने से मीडिया और दर्शकों की रूचि बढ़ गई है और प्रायोजक भी काफी उत्साहित हैं। इससे पाकिस्तानी टेनिस को फायदा मिलेगा।

पूर्व पाक क्रिकेटर शोएब मलिक ने कहा , वहीं करें जो दिल चाहता हो

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से अलग होने के बाद हाल ही में अभिनेत्री सना जावेद से शादी होने के बाद से ही चर्चाओं में हैं। इस मामले में उन्हें क्रिकेटर प्रशंसकों ने जमकर ट्रॉल करते हुए मतलबी भी करार दिया। प्रशंसकों का मानना था कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया। वहीं इस मामले में अब शोएब ने कहा कि आपको वहीं करना चाहिये जो अपका दिल चाहता है। साथ ही कहा कि कभी भी ये नहीं सोचना चाहिए कि लोग क्या कहेंगे या सोचेंगे। भले ही आपकों लगे कि लोग क्या सोचेंगे और क्या बोलेंगे तब भी आपकों अपने दिल की बात सुननी चाहिए। फिर चाहे उसके लिए 10 साल या 20 साल भी लग जायें। साथ ही कहा कि अगर आप कुछ नहीं भी करोगे तब भी लोग तो कहेंगे। शोएब का यह बयान सोशल मीडिया पर जमकर छाया हुआ है। शोएब ने इससे पहले सोशल मीडिया पर अपनी और सना की तस्वीरें भी पोस्ट की थी। शोएब और सानिया के संबंधों में दरार की खबरें पिछले दो साल से आ रहीं थीं। इन दोनो को ही पिछले दो साल में दोनों को साथ नहीं देखा गया। कुछ समय पहले ही शोएब ने इंस्टाग्राम पर सानिया को अनफॉलो किया था। सानिया और शोएब ने हैदराबाद में अप्रैल 2010 में शादी की थी और इसके बाद दोनों दुबई में रहने चले गये थे।

नाड़ी शोधक प्राणायाम है अनुलोम विलोम

अनुलोमविलोम प्रणायाम में सांस लेने व छोड़ने की विधि को बार-बार दोहराया जाता है। इस प्राणायाम को नाड़ी शोधक प्राणायाम भी कहते है। अनुलोम-विलोम को रोज करने से शरीर की सभी नाड़ियों स्वस्थ व निरोग रहती है। इस प्राणायाम को हर उम्र के लोग कर सकते हैं। वृद्धावस्था में अनुलोम-विलोम प्राणायाम योगा करने से गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें दूर होती हैं।

विधि

दरी व कंबल स्वच्छ जगह पर बिछाकर उस पर अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। फिर अपने दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से सांस अंदर की ओर भरे और फिर बाईं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। उसके बाद दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर निकालें। अब दाईं नासिका से ही सांस अंदर की ओर भरे और दाईं नाक को बंद करके बाईं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें। इस क्रिया को पहले 3 मिनट तक और फिर धीरे-धीरे इसका अभ्यास बढ़ाते हुए 10 मिनट तक करें। 10 मिनट से अधिक समय तक इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इस प्रणायाम को सुबह-सुबह खुली हवा में बैठकर करें।

लाभ

इससे शरीर में वात, कफ, पित्त आदि के विकार दूर होते हैं। रोजाना अनुलोम-विलोम करने से फेफड़े शक्तिशाली बनते हैं। इससे नाड़ियां शुद्ध होती हैं जिससे शरीर स्वस्थ, कांतिमय एवं शक्तिशाली बनता है। इस प्रणायाम को रोज करने से शरीर में कॉलेस्ट्रोल का स्तर कम होता है। अनुलोम-विलोम करने से सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों में काफी आराम मिलता है। अनुलोम-विलोम से हृदय को शक्ति मिलती है। इस प्राणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस लेते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित तत्वों को बाहर निकाल देती है। शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम सभी आयु वर्ग के लोग कर सकते हैं और सुविधानुसार इसकी अवधि तय की जा सकती है।

सावधानियां

कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगियों को इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने व छोड़ने में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ लोग समय की कमी के चलते जल्दी-जल्दी सांस भरने और निकालने लगते हैं। इससे वातावरण में फैला धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते है। प्रणायाम के दौरान सांस की गति इतनी सहज होनी चाहिए। प्राणायाम करते समय स्वयं को भी सांस की आवाज नहीं सुनाई देनी चाहिए।

अबकी बार गोवा गए तो क्या पता क्लब में ही मिल जाए 'फेनी'

गोवा की दो चीजें बहुत मशहूर हैं, एक समुद्री तट यानी बीच और दूसरी वहां की लोकल और लोकप्रिय शराब फेनी। अगर आप अक्सर गोवा जाते रहते हैं और फेनी आपको बहुत पसंद है, तो आपके लिए ये अच्छी खबर साबित हो सकती है। कौन जाने कि कुछ दिनों बाद जब आप गोवा की ट्रिप पर जाएं, तो आपको फेनी के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत ही न हो। गोवा की लोकप्रिय 'फेनी' क्लब और पाटिज़यों में पी जाने वाली एक प्रमुख शराब बन सकती है यदि इसे थोड़े बेहतर स्वाद के साथ बनाया जाए। फेनी से जुड़े हितधारक आजकल इसी मुहीम में लगे है।

क्या है सिरदर्द

सिरदर्द से तात्पर्य है सिर के एक या एक से अधिक हिस्सों में और साथ ही गर्दन के पिछले भाग में हल्की या तेज पीड़ा हो सकती है। सुबह के वक्त सिरदर्द किसी गंभीर बीमारी की तरफ इशारा नहीं करते, ये आपकी अनियमित दिनचर्या का हिस्सा हो सकते हैं। आमतौर पर सिरदर्द को माइग्रेन, तनाव और क्लस्टर की तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। इससे जुड़ी खास बात यह है कि जितने अधिक लोग इससे पीड़ित हैं, उतनी ही अधिक इसके दर्द को नजरअंदाज करने वालों की संख्या भी है। कुल 5 करोड़ पीड़ित लोगों में से केवल 2 प्रतिशत ही माइग्रेन के उपचार के लिए डॉक्टर से संपर्क करते हैं।

गर्भवती हैं तो अंगूर और पपीता न खाएं

गर्भावस्था में क्या खाए जाए से जरूरी यह जानना है कि क्या न खाया जाए। घर-परिवार की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव के आधार पर यह राय देती रहती हैं।

चलिए जानते हैं कि गर्भावस्था में कौन सी सब्जियों और फलों से परहेज करना चाहिए। आइए जानें, गर्भवस्था के दौरान कौन-कौन से फल और सब्जियां ना खाएं। गर्भावस्था के दौरान इन फलों के सेवन बचें

पपीता खानें से बचें

कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान पपीता ना खाए। पपीता खाने से प्रसव जल्दी होने की संभावना बनती है। पपीता, विशेष रूप से अपरिपक्व और अर्द्ध परिपक्व लेटेक्स जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर करने के लिए जाना जाता है को बढ़ावा देता है। गर्भावस्था के तीसरे और अंतिम तिमाही के दौरान पका हुआ पपीता खाना अच्छा होता हैं।

पके हुए पपीते में विटामिन सी और अन्य पौष्टिक तत्वों की प्रचुरता होती है, जो गर्भावस्था के शुरूआती लक्षणों जैसे कब्ज को रोकने में मदद करता है। शहद और दूध के साथ मिश्रित पपीता गर्भवती महिलाओं के लिए और विशेष रूप से स्तनपान करा रही महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट टॉनिक होता है।

अनानास से बचें

गर्भावस्था के दौरान अनानस खाना गर्भवती महिला के स्वास्थ के लिए हानिकारक हो सकता है। अनानास में प्रचुर मात्रा में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा की नरमी का कारण बन सकती हैं, जिसके कारण जल्दी प्रसव होने की सभांवना बढ़ जाती है।

हालांकि, एक गर्भवती महिला अगर दस्त होने पर थोड़ी मात्रा में अनानास का रस पीती है तो इससे उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। वैसे पहली तिमाही के दौरान इसका सेवन ना करना ही सही रहेगा, इससे किसी भी प्रकार के गर्भाशय के अप्रत्याशित घटना से बचा जा सकता है।

अंगूर से बचें

डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को उसके गर्भवस्था के अंतिम तिमाही में अंगूर खाने से मना करते है। क्योंकि इसकी तासिर गरम होती है। इसलिए बहुत ज्यादा अंगूर खाने से असमय प्रसव हो सकता हैं। कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान अंगूर ना खाए।

गर्भावस्था के दौरान इन सब्जियों से बचें

गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह ये होती है कि वो कच्चा या पाश्चरीकृत नहीं की हुई सब्जी और फल ना खाए। साथ ही ये भी महत्वपूर्ण है कि आप जो भी खाए वो अच्छे से धुला हुआ और साफ हो। ये गर्भावस्था के दौरान आपको संक्रमण से बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। फलों और सब्जियों को गर्भावस्था आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इसलिए जम कर खाए लेकिन साथ ही इन कुछ बातों का ध्यान भी जरूर रखें, और बचें रहे गर्भवस्था के जटिलओं से।

कैंसर रोगी के लिए फायदेमंद है एलोवेरा

प्रकृति ने मानव जीवन को अनेक उपहार दिए हैं। वनस्पतियों के रूप में प्राप्त ये उपहार वरदान स्वरूप हैं। प्रकृति का ऐसा ही एक औषधीय पौधा है एलोवेरा। एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां कैंसर जैसे असाध्य रोग को मात देने का दावा करती है। एलोवेरा की खास बात है कि यह एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक के रूप में काम करता है। एलोवेरा शरीर में जाकर खराब सिस्टम को ठीक करता है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता।

कैसा होता है एलोवेरा

एलोवेरा में कई गुण है, इसमें 75 प्रतिशत पानी, 70 तरह के मिनरल, एंजाइम्स, प्रोटीन, एमिनो एसिड और विटामिन होते हैं। इस पौधे के पत्ते सीधे जमीन से ही निकलते हैं। यह 2 से 3 फीट लम्बे और 3 से 4 इंच चौड़े होते हैं। इसके दोनों ओर नुकीले कांटे होते हैं। इसके पत्ते गहरे हरे रंग के मोटे, चिकने और गूदेदार होते हैं। जिन्हें काटने या छीलने पर घी जैसे गुदा (जैल) निकलता है। इसलिए इस पौधे को घृतकुमारी व घी ग्वार भी कहा जाता है।

कैंसर में फायदेमंद है एलोवेरा

एलोवेरा की पत्तियों का इस्तेमाल औषधि के साथ-साथ सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। अगर कैंसर व सोराइसिस के मरीज तीन माह तक एलोवेरा का जूस पीएं तो इसका उनके शरीर पर अच्छा असर देखने को मिलता है। एलोवेरा में कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं जो कि कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कैंसर रोगियों के लिए रोज सुबह शाम 50 ग्राम एलोवेरा का जूस पीना लाभकारी होता है। एलोवेरा के जूस का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बड़ाता है। इससे कैंसर ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

इस दौरान रोगी को केला, पपीता, अंकुरित चना व हरी सब्जियां ले सकते हैं। कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक व प्राकृतिक चिकित्सा काफी लाभदायक होती है। कैंसर जैसे असाध्य रोग में एलोवेरा जैल का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। ऐसा देखा गया है कि एलोवेरा में निहित औषध तत्व उन कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की भी रोकथाम कर लेते है जिन्हें कीमोथैरेपी भी रोक नहीं पाती। कैंसर के इलाज में जब अंग्रेजी दवाएं काम नहीं करती तो ऐसे में एलोवेरा का सेवन अत्यंत लाभकारी होता है। ऐसे में ऐलोवेरा कैंसर के इलाज में काफी मददगार साबित होता है। सिर्फ एलोवेरा या दवाएं देने के बजाय अगर एलोवेरा और हल्की मात्रा में कैंसर रोधक दवाएं साथ-साथ दी जाएं तो कैंसर कोशिकाओं पर काफी कारगर असर पड़ता है।

नाखून बताते हैं सेहत का हाल

नाखून सिर्फ सुंदर हाथों की शोभा ही नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी सेहत का हाल भी बयां करते हैं। छोटे-छोटे तंतुओं से बने नाखूनों में पोरों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में उनके स्वास्थ्य का राज छिपा होता है। निम्न लिखें तमाम कारण अस्वस्थ नाखूनों के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1 आयरन और विटामिन-बी 12 की कमी होने पर नाखून अन्दर की ओर धंस जाते हैं। 2 विटामिन-सी की कमी होने पर नाखून कटने-फटने लगते हैं। 3 धब्बे युक्त खुरदरे नाखून फोलिक एसिड, प्रोटीन की कमी या फिर रक्त संचार व्यवस्था का सही न होना दर्शाते हैं। 4 जिन लोगों की किडनी खराब होती है इसका संकेत उनके नाखूनों से ही मिल जाता है। ऐसे लोगों के नाखूनों का आधा हिस्सा औरों की तुलना में ज्यादा पीलापन लिए होता है। नाखूनों को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए अपनाएं देसी नुस्खें 1 नाखूनों को गुनगुने दूध में भिगोएं। 2 दूध और कैल्शियमयुक्त भोजन नाखूनों को मजबूत बनाता है। 3 नाखूनों की सफाई के लिए साबुन के झाग वाले पानी में 5 मिनट तक नाखून और हाथ डुबोकर रखें। बाद में साफ पानी से हाथ धो लें और नर्म तौलिए से हल्का थपथपाकर हाथ सुखा लें। 4 नाखूनों पर रात को ग्लिसरीन लगा कर सोएं इससे नाखूनों में होने वाला दर्द ठीक होता है। 5 विटामिन बी काम्पलैक्स नाखूनों को मजबूत बनाने में सहायक है। 6 नींबू के छिल्के को नाखूनों पर रगड़ने से नाखून साफ और चमकदार बनते हैं। 7 नाखूनों की सफाई के लिए हाइड्रोजन पैरॉक्साइड की कुछ बूंदें नाखूनों पर लगाकर रूई से अच्छी तरह पोंछ लें। गंदगी साफ हो जाएगी। 8 नींबू और नमक या नींबू और दही से नाखूनों की मालिश करें। नाखून स्वस्थ और चमकदार बनेंगे। 9 कमजोर नाखूनों को जैतून के गुनगुने तेल की मालिश करने से नाखून मजबूत बनते हैं। 10 कैल्शियम और विटामिन डी नाखूनों के लिए अच्छा होता है। आप सलाद और चुकंदर खाकर शरीर में इस कमी को पूरा कर सकते हैं। कुछ दिनों में पीले, बेजान नाखून सुंदर दिखने लगेंगे। 11 गुनगुने सरसों के तेल से हल्की मालिश करने से नाखूनों में लालिमा आती है।

आपकी आवाज से आप तक पहुंचेगा सामान

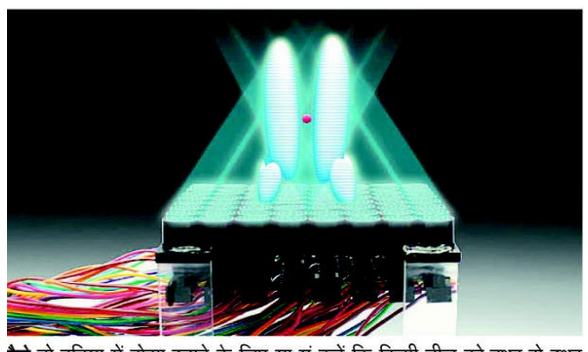

वैसे तो दुनिया में बोझा उठाने के लिए या यूं कहें कि किसी चीज को इधर से उधर पहुंचाने के लिए शारीरिक कष्ट देना पड़ता या किसी की चीज की सहायता से कोई भी वस्तु इधर से उधर पहुंचाई जाती है लेकिन वैज्ञानिकों ने इसका भी हल ढूंढ लिया है। अब आपकी कई वस्तु किसी चीज की सहायता से नहीं बल्कि आपकी आवाज से इधर से उधर पहुंच जाएगी। जानकारी के अनुसार वैज्ञानिकों ने एक अनूठी सोनिक ट्रैक्टर बीम का विकास किया है जो ध्वनि तरंगों का उपयोग कर वस्तुओं को उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सक्षम होगा। इस खोज में भारतीय मूल का एक वैज्ञानिक भी शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं ने जो ट्रैक्टर बीम विकसित किया है वह एक ध्वनिक होलोग्राम उत्पन्न करने के लिए उच्च क्षमता के ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है जो छोटी वस्तुओं को उठाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में सक्षम होता है। ट्रैक्टर बीम का अभिप्राय एक ऐसे उपकरण से है जो शारीरिक संपर्क के बगैर किसी भी वस्तु को खींच लेता है। विज्ञान कथा लेखकों की रचनाओं और स्टार ट्रेक जैसे प्रोगामों में सामान को पकड़ने, उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए ट्रैक्टर बीम की अवधारणा का उपयोग किया गया है जिससे वैज्ञानिक और इंजीनियर बहुत हद तक प्रभावित हुए।

इन कपल के शौक भी अजीबोगरीब

समुद्र की यात्रा के भारी-भरकम बजट को पूरा करने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ और 34 साल के उसके मंगेतर कैप्टन ने अपना घर बेचने का फैसला किया और अपनी शादी के प्लान को भी ठंडे बस्ते में डालने के साथ ही अपनी नौकरी भी छोड़ दी। अपने सपने को जीने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ मॉडल और आईटीवी रीजनल वेटर प्रजेंटर थी। वहीं, कैप्टन आर्किटेक्चर डिजाइनर रहे हैं। अब इस कपल ने फैसला किया कि वो अपना समुद्र की लहरों पर चलते हुए दुनिया घूमने का सपना पूरा करेंगे। हालांकि, इससे पहले उन्होंने कभी नाव में सफर नहीं किया था और उन्हें नौकायन का कोई खास अनुभव भी नहीं था। वे इस साल मई में जर्सी में अपने घरों को छोड़कर नई जिंदगी की तलाश में लहरों के सफर पर निकल पड़े। अभी तक वे पश्चिम में मेडिटेरिएन, फ्रांस, स्पेन, इटली, इल्बा, कोर्सिका, सार्डिनिया और बेलिएरिक द्वीप समूह में घूम चुके हैं। इस दौरान उन्होंने यूरोप में कई खूबसूरत समुद्री स्थानों को देखा। चार्ली ने बताया कि वे दोनों घंटों तक कॉकपिट पर बैठे रहते है और कई बातों पर चर्चा भी करते हैं।

नवजात के नाखून होते हैं कोमल

नवजात के नाखूनों की देखभाल करने की विशेष जरूरत हैं, क्योंकि यदि आपने इन पर ध्यान नहीं दिया तो इसमें जमा गंदगी के कारण बच्चे को संक्रमण हो सकता है। संक्रमण के कारण बच्चे का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बच्चों के नाखूनों की देखभाल के लिए जरूरी है हाथों की सही तरीके से देखभाल की जाए। नाखून बच्चे के उंगलियों के ऊपरी हिस्से के लिए सुरक्षा कवच की भांति काम करते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के नाखूनों का सही ख्याल रखें। उन्हें साफ और सही आकार में रखें।

क्यों जरूरी है नाखून की देखभाल

- बच्चों को सही और गलत की जानकारी नहीं होती है जिसके कारण वे अक्सर नाखून चबाते हैं।
- बच्चे यदि नाखून काटेंगे तो उसमें मौजूद कीटाणुओं के संक्रमण से वे बीमार हो सकते हैं।
- बच्चों के नाखून लंबे होने से पहले काट दीजिए, नहीं तो इसके कारण वे खुद को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- बच्चे यदि बढ़े नाखूनों को मुंह से काटते हैं तो उसके कारण वे उंगलियों की त्वचा को भी नुकसान पहुंचान सकते हैं।

नाखून और संक्रमण

नवजात को कोई भी बीमारी बहुत आसानी से हो सकती है, क्योंकि उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है। इसलिए बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके नाखूनों को निश्चित समय पर काटते रहें। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चों को नाखूनों की सही प्रकार से देखभाल करें। पालतू जानवर से खेलने, कूड़ा फेंकने और खांसने व छींकने के बाद भी बच्चों के हाथ जरूर धोएं। नवजात के हाथ केवल पानी से न साफ करें, हाथ साफ करते वक्त साबुन का प्रयोग करें। नाखूनों को छोटा रखने के लिए उन्हें काटते रहें।

ऐसे करें नवजात के नाखूनों की देखभाल

- ऐसे नेलकटर्स का इस्तेमाल करें जो सिर्फ बच्चों के लिए बनाए गए हों।
- नवजात शिशु के नाखून बहुत ही जल्दी बढ़ते हैं और इन्हें हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर काटना चाहिए।
- नेल फाइल के सहारे नाखून के नुकीले किनारों को समतल बनाने की कोशिश करें।
- नवजात के नाखूनों को तभी काटें जब बच्चा सो रहा हो।
- नवजात के नाखून काटते वक्त ध्यान रखें, जिससे की बच्चे की त्वचा को किसी भी प्रकार की क्षति ना होने पाए।
- अंगूठे को नाखून को काटते वक्त विशेष ध्यान रखें, क्योंकि अन्य उंगलियों की तुलना में वह थोड़ा सख्त होती है।
- नवजात के नाखूनों के अलावा हाथों की देखभाल पर विशेष ध्यान दीजिए। नवजात के हाथों को साफ करते वक्त सेनेटाइजर का प्रयोग कीजिए। बच्चों का नेलकटर चुनने में यदि आपको परेशानी हो रही हो तो चिकित्सक से सलाह कीजिए।

रेसिपी

मसाला बाटी

सामग्री

1 कप दरदरा गेहूं का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/4 कप पिघला हुआ घी, 1/2 कप दूध, नमक स्वादअनुसार, 1 कप उबले और दरदरे क्रश किए हुए हरे मटर, 1 1/2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, घी, तलने के लिए, परोसने के लिए, पिघला हुआ घी, 1 व्यंजन विधी दाल, 1 व्यंजन विधी चुरमा

विधि

सभी सामग्री को एक गरेह बाउल में मिलाकर, बिना पानी का प्रयोग किए सख्त आटा गूंथ लें। 3-4 मिनट तक अच्छी तरह गूंथते रहें। 20 मिनट के लिए रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, हरे मटर, अदरक- हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 2-3 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर भरवां मिश्रण को पुरी तरह से ठंडा होने के लिए रख दें। भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें।

छेना मालपुवा

सामग्री

4 1/2 कप वसा भरपुर दूधर 1 1/2 टेबल-स्पून नींबू का रसर र1 1/4 कप शक्करर मालपुवे के लिए

1 कप छेना (व्यंजन विधी उपर देखें)र एक चुटकी जायफल पाउडरर 1 1/2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर, केसर के कुछ लच्छेर घी, तलने के लिएर सजाने के लिएर 1 टेबल-स्पून बादाम की कतरन,1 टेबल-स्पून पिस्ता की कतरन

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में दूध गरम करें, नींबू का रस डालकर हल्के हाथों मिला लें। दूध फटकर पानी अलग हो जाएगा। यह पानी पार्दर्शी होना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो कि दूध पुरी तरह फट गया है। 3 से 4 मिनट तक रख दें। छन्नी से सारा पानी छान लें और छेना को 10-15 मिनट के लिए रखकर, सारा पानी निकलने दें। छेना को प्लेट में निकाल लें और हल्के हाथों मलते हुए नरम बना लें, इस बात का ध्यान रखें कि बहुत जोर से ना मलें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को अच्छी तरह मिला ले और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर आटा गूथ लें। आटे को 10 भाग में बांट लें। एक समतल जगह पर गीला सूती कपड़े का छोटा टुकड़ा रखें, आटे के 1 भाग को बीच मे रखकर दुसरे गीले कपड़े के टुकड़े से ढ़क दें। गीले हाथों से फैलाकर 75 मिमी। व्यास के गोल आकार में बना लें। एक कम गहरी कढ़ाई में घी गरम करें और मालपुवा डालकर, मध्यम आंच पर उनके दोनो तफ से सुनहरा होने तक तल लें। मालपुवा को निकालकर चाश्नी में तुरंत डालें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**